RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 09, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

शनिवार, 06 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

दिल्ली-पंजाब से कश्मीर तक पानी-पानी...

● सिग्नेचर ब्रिज से ड्रोन के जरिए तस्वीर ली गई। बारिश के बाद यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही

राजेश चौहान

नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पुराने लोहे के पुल की सड़क तक पानी पहुंचने की उम्मीद है। गुरुवार को पुराने रेलवे पुल पर नदी का जलस्तर 207.48 मीटर तक पहुंच गया था, जो इस सीजन का सबसे ऊंचा स्तर है। कुछ समय तक स्थिर रहने के बाद अब धीरे-धीरे इसमें कमी आनी शुरू हो गई है। सिग्नेचर ब्रिज से ड्रोन के जरिए तस्वीर ली गई। जहां लगातार बारिश के बाद यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

दिल्ली में उफान पर यमुना

लगातार बारिश के बाद यमुना नदी के उफान पर आने और खतरे के निशान को पार करने के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को मयूर विहार फेज-1 के पास बनाए गए राहत शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। बाढ़ के पानी को बाहर निकालने के लिए वासुदेव घाट के आसपास के इलाकों में मशीनें लगाई गईं। वहीं यमुना का पानी कालिंदी कुंज इलाके में भी पहुंच गया है।

यमुना का वेग ज्यादा, घटने की गति धीमी

कॉलोनी में करीब चार फीट तक पानी भरा हुआ है। यमुना बाजार पहले दिन से डूबने लगा था बृहस्पतिवार को यहां करीब 7 फीट तक पानी भर गया। यहां बनाए गए राहत शिविरों को भी दूसरी जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है। यमुना का वेग अभी बहुत ज्यादा है और पानी घटने की गति धीमी है। वजीराबाद से ओखला बैराज तक यमुना का डाउन स्ट्रीम क्षेत्र माना जाता है।

संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर शुक्रवार सुबह 207.33 मीटर तक पहुंच गया है।

दिल्ली के कई इलाकों में हालात खराब

चेतावनी स्तर 204.50 मीटर, खतरनाक स्तर 205.33 मीटर और हाई फ्लड लेवल 208.66 मीटर है। सिविल लाइंस इलाके में स्थित मोनेस्ट्री मार्केट में पानी भरा हुआ है, क्योंकि यमुना नदी उफान पर है। शहर के कुछ हिस्सों में घुस गई है। भारी बारिश के बाद यमुना नदी के उफान पर आने और शहरों में प्रवेश करने से एनसीआर के कुछ हिस्सों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। नोएडा सेक्टर 135 में यमुना का पानी पहुंच गया है।आईएसबीटी कश्मीरी गेट, सिविल लाइंस और यमुना बाजार में बाढ़ का 4 से 10 फीट तक पानी भर गया है। यमुना बाजार की हालत सबसे ज्यादा खराब है। इसके अलावा कई और कॉलोनियों में भी सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं। हालांकि, राहत की बात ये है कि यमुना का पानी धीमा ही सही लेकिन कम होना शुरू हो गया है। यमुना का जलस्तर करीब 5 सेमी नीचे चला गया। यमुना के पास आउटर रिंग रोड को पार कर बाढ़ का पानी बेला रोड सिविल लाइंस की रिहायशी कॉलोनियों को भी आगोश में ले चुका है। पूरी कॉलोनी में सन्नाटा पसरा है। अधिकतर घरों से निकलकर लोगों ने सुरक्षित जगहों पर शरण ली है।

'14 पाकिस्तानी आतंकी भारत में घुसे', पुलिस को व्हाट्सएप पर मिली धमकी

मुंबई

मुंबई ट्रैफिक पुलिस को एक धमकी भरा संदेश मिला है। संदेश में मुंबई में अलग-अलग वाहनों में मानव बम लगाए जाने का दावा किया गया है। संदेश में यह भी लिखा था कि 14 पाकिस्तानी आतंकी देश में घुस आए हैं। धमकी भरा संदेश मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर भेजा गया। गणेशोत्सव और अनंत चतुर्दशी को देखते हुए मुंबई पुलिस सतर्क हो गई है। संदेश की जांच की जा रहा है। संदेश कहां से और किसने भेजा? यह भी पता लगाया जा रहा है। मुंबई पुलिस ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस को उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर धमकियां मिलीं।

'आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहे'

समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा

● आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा। भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है।

पंजाब में महाविनाश: पठानकोट में पहाड़ दरके

● पानी की वजह से अब तक 43 लोगों की मौत हो चुकी है।
● 1902 से अधिक गांव पानी की चपेट में

चंडीगढ़

पंजाब में बाढ़ महाविनाश का कारण बन रही है। पानी की वजह से अब तक 43 लोगों की मौत हो चुकी है। 23 जिलों के 1902 से अधिक गांव पानी की चपेट में हैं, जिससे 3.84 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। गांवों में बाढ़ग्रस्त लोगों और प्रशासन के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रभावित गांवों में एक-एक गजटेड अफसर नियुक्त करने के आदेश दिए हैं। प्रभावित लोग इन अधिकारियों के साथ अपनी समस्याएं साझा कर सकेंगे।

भाखड़ा डैम का जलस्तर खतरे के निशान से मात्र एक फीट नीचे

हिमाचल के ऊपरी क्षेत्रों में हो रही जोरदार बारिश व बादल फटने की घटनाओं के चलते भाखड़ा डैम के जल स्तर में तेजी से होती वृद्धि को देखते हुए बीबीएमबी मैनेजमेंट से चारों फ्लड गेट 9-9 फीट तक खोल दिए। एक लाख से भी अधिक पानी की आमद के साथ भाखड़ा डैम का जलस्तर 1679 फीट पर पहुंच गया था। टूबाइनों व फ्लड गेटों के माध्यम से कुल 85 हजार क्यूसेक पानी की निकासी कर सतलुज दरिया के किनारे बसे निचले ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत मचा दी।

लुधियाना में कमजोर पड़ा बांध

पानी ने लुधियाना में भी असर दिखाना शुरू कर दिया। पहले शनिगांव डूबने के बाद अब सतलुज दरिया के किनारे बसे ससराली कॉलोनी इलाके में बांध कमजोर हो गया है। बांध कमजोर होने का पता चलते ही कैबीनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी सरकार को दी और सेना को बुलाना पड़ा।

प्रधानमंत्री मोदी ने की शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की प्रशंसा

● प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को भारत की आत्मनिर्भरता और प्रगति की यात्रा का मुख्य केंद्र बताया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को विकास का आधार बताते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने एक अंग्रेजी समाचार पत्र में प्रकाशित धर्मेंद्र प्रधान के आलेख को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए इसकी सराहना की। इस लेख में प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को भारत की आत्मनिर्भरता और प्रगति की यात्रा का मुख्य केंद्र बताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने अपने लेख में बताया है कि शिक्षक आज डिजिटल तकनीक को तेजी से अपना रहे हैं। पीएम ई-विद्या, दीक्षा और स्वयं जैसे डिजिटल मंच शिक्षकों को डिजिटल कक्षाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नए पाठ्यक्रम और विद्यार्थियों की अलग-अलग शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने में सहायता दे रहे हैं। ये मंच शिक्षा को अधिक समावेशी, सुलभ और आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा को अधिक सुलभ, नवाचारी और समग्र बनाने पर ध्यान दे रही है। इस नीति से परंपरागत और आधुनिक शिक्षण विधियों को मिलाकर विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का लक्ष्य है।

केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट पर बवाल

कोच्चि/नई दिल्ली/पटना

कांग्रेस की केरल इकाई की एक पोस्ट ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है, जिसमें बिहार और बीड़ी के बीच तुलना की गई थी। यह पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई थी, जिसे बाद में हटा दिया गया। इसमें केंद्र सरकार की ओर से बीड़ी पर जीएसटी दरों में कटौती को बिहार से जोड़ा गया था। पोस्ट में लिखा था, बीड़ी और बिहार दोनों 'बी' से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता।' सिगरेट, बीड़ी और तंबाकू पर संशोधित जीएसटी दरों की जानकारी साझा की गई थी। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस हटाई गई पोस्ट को अपने एक्स हैंडल से साझा किया और कांग्रेस पर हद पार करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, कांग्रेस फिर से सीमा पार कर गई।

जीएसटी: 'रातभर बैठने को तैयार मगर आज ही होगा फैसला'

● दो स्लैब रखने और करों में भारी कमी संबंधी प्रस्ताव पर इन चार राज्यों ने सवाल उठाया

नई दिल्ली

आम लोगों को जीएसटी से राहत देने के सवाल पर विपक्ष शासित चार राज्यों के विपरीत रुख के कारण न सिर्फ जीएसटी परिषद की बैठक लंबी हो गई, बल्कि इस मामले में मतदान कराने तक की नौबत आ गई। विपक्ष शासित चार राज्य पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल और पंजाब राहत के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व हानि की व्यवस्था करने पर अड़ गए थे। इन राज्यों ने इस मामले का हल होने तक निर्णय को टालने का भी प्रस्ताव दिया था। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के हर हाल में इसी दिन निर्णय लेने और जरूरी पड़ने पर मतदान कराने की चेतावनी के बाद इन राज्यों का रुख नरम पड़ा।

सूत्रो ने बताया कि जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब रखने और करों में भारी कमी संबंधी प्रस्ताव पर इन चार राज्यों ने सवाल उठाया।

राहुल ने रेल मंत्री को लिखा पत्र, रायबरेली में राजधानी एक्सप्रेस के स्टॉपेज की मांग

नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली सीट से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखा है। राहुल गांधी ने रायबरेली के स्थानीय लोगों की लंबित मांग का हवाला हुए रायबरेली जंक्शन पर डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की मांग की है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि यह ट्रेन पहले से ही रायबरेली से होकर गुजरती है। उनके संसदीय क्षेत्र रायबरेली के लोग इस स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की लंबे समय से मांग करते आ रहे हैं ताकि राष्ट्रीय राजधानी के लिए उनकी यात्रा आसान हो सके।

हरियाणा में बाढ़ का कहर: हाईवे पर नदियां... वाहनों पर ब्रेक

● हाईवे पर कहीं वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं तो कहीं लेन ही बंद है। दूसरे रूट पर डायवर्ट किया गया है

हिसार/करनाल/रोहतक

खतरे के निशान से ऊपर बह रही नदियां व उनका बहाव ग्रामीण इलाकों के बाद अब शहरों में कहर बरपा रहा है। जलभराव के कारण हरियाणा की लाइफलाइन कहे जाने वाले छह नेशनल हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थमने लगी है। इन सभी पर नदियों का पानी बह रहा है। हाईवे पर कहीं वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं तो कहीं लेन ही बंद है। हिसार में हांसी-बरवाला नेशनल हाईवे-148बी पर गांव चानौत के पास करीब एक किलोमीटर एरिया में पानी भरने से वाहनों को दूसरे रूट पर डायवर्ट किया गया है। वीरवार को बारिश व जलभराव के कारण पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बह गया।

मारकंडा खतरे के निशान पर

यमुना, घग्गर, टांगरी व मारकंडा खतरे के निशान पर हैं जिससे लगातार खतरा बना हुआ है। हिसार में हिसार- चंडीगढ़ एनएच-52 और दिल्ली-हिसार एनएच-9 पानी में डूबे हैं। इनके अलावा अंबाला में अंबाला-रुड़की एनएच-344 के ऊपर से पानी बह रहा है।

यमुनोत्री हाईवे: 13वें दिन भी रास्ता बंद, कई गांवों में नेटवर्क ठप

बडकोट (उत्तरकाशी)

लगातार बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे 13वें दिन भी नहीं खुल पाया है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। स्यानाचट्टी से आगे करीब चार स्थानों पर हाईवे बंद है जिसे खोलने का काम जारी है। हालांकि जंगलचट्टी में पहाड़ी से लगातार गिर रहे बोल्डरों के कारण सड़क खोलना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। सड़क मार्ग बाधित होने के कारण यमुनोत्री धाम और गीठ पट्टी के कई गांवों में राशन सामग्री की आपूर्ति रुक गई है।

वहीं इन क्षेत्रों में पिछले छह दिनों से बिजली और नेटवर्क सुविधा भी ठप पड़ी है जिससे लोगों को अंधेरे में रातें गुजारनी पड़ रही हैं और संचार में भी भारी दिक्कत आ रही है। स्थानीय नेताओं और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द हाईवे और बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में इसी हफ्ते जीएसटी के मौजूदा चार स्तरीय ढांचे को बदलकर दो स्तरीय कर दिया

जीएसटी सुधारों से सरकार को 3,700 करोड़ राजस्व का होगा नुकसान: एसबीआई

● सभी विभागों को प्रभावित सेवाओं को बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के आदेश दिए

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी के जरिए जीएसटी में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। दूसरी तरफ केंद्र सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव सालाना आधार पर 48 हजार करोड़ रुपये होगा। स्टेट बैंक ने शुक्रवार को जारी अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रभावी भारित औसत दर भी इसके 2017 में लागू होने के समय 14.4 फीसदी से घटकर 9.5 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक चूंकि आवश्यक वस्तुओं (लगभग 295) की जीएसटी दर युक्तिकरण 12 फीसदी से घटकर पांच फीसदी या शून्य हो गई है। इसलिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इस श्रेणी में उपभोक?ता मूल?य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर यानी मुद्रास्फीति भी 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है।

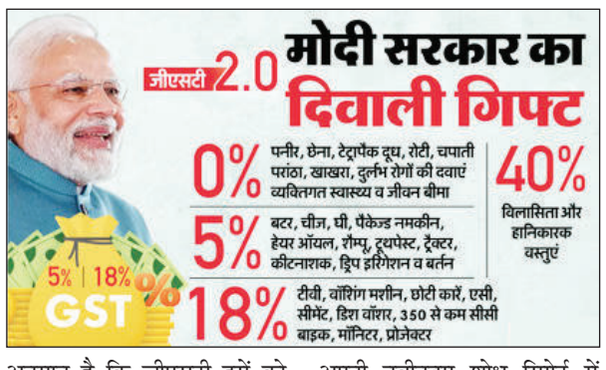

नई दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी

जीएसटी के नए स्लैब में अब 18 फीसदी एवं पांच फीसदी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 फीसदी की दर शामिल है। नई दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से लागत दक्षता में सार्थक सुधार के कारण बैंकिंग क्षेत्र पर काफी हद तक

'दिव्यागों के लिए सरकार ने जारी किए दिशानिर्देश

● ड्राफ्ट दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने तैयार किया है और इसे सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया गया

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सड़क हादसों में दिव्यांग हुए लोगों के लिए नई ड्राफ्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की है। इसमें दिव्यांग-हितैषी एम्बुलेंस, तेजी से पीड़ितों की निकासी, प्रशिक्षित पहले मददगार, सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट और व्यापक पुनर्वास योजनाओं का प्रावधान किया गया है। यह ड्राफ्ट दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने तैयार किया है और इसे पिछले महीने सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया गया। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सड़क सुरक्षा और हादसे के बाद देखभाल के लिए एसओपी तैयार करने का निर्देश दिया था। उसी के तहत यह ड्राफ्ट तैयार किया गया है।

इसमें हादसे के शिकार लोगों की पहचान, त्वरित चिकित्सा, पुनर्वास और लंबे समय तक सामाजिक रूप से जोड़ने की योजना शामिल है।

सड़क और परिवहन ढांचे पर जोर

ड्राफ्ट एसओपी के अनुसार, सभी नए और संशोधित सड़क व परिवहन ढांचे को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 और इंडियन रोड्स कांग्रेस (आईआरसी) कोड्स के अनुरूप बनाया जाएगा। इसमें टैक्टाइल पाथ, रैंप, ऑडिबल सिग्नल, लो-फ्लोर बसें और प्राथमिकता सीटिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नियमित रूप से एक्सेसिबिलिटी ऑडिट करने होंगे। हादसों के दौरान पुलिस, पैरामेडिक्स और मददगारों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रीढ़ या अंगों की चोट वाले पीड़ितों को सही तकनीक से संभाल सकें।

साल का अंतिम चंद्रग्रहण 7 सितंबर को

साल 2025 का अंतिम चंद्रग्रहण 7 सितंबर की रात को लगने जा रहा है, जो भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में साफ तौर पर देखा जा सकेगा। यह एक पूर्ण चंद्रग्रहण होगा जिसकी कुल अवधि करीब 3 घंटे 30 मिनट रहेगी, जबकि पूर्ण ग्रहण का चरण रात 11:01 से 12:23 तक यानी लगभग 1 घंटे 22 मिनट तक रहेगा। खास बात यह है कि यह ग्रहण पितृ पक्ष शुरू होने से ठीक पहले लगेगा, जिससे इसका धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। चंद्रग्रहण के दौरान सूतक काल की मान्यता होती है, जो ग्रहण शुरू होने से करीब 9 घंटे पहले शुरू हो जाता है। इस अवधि में पूजा-पाठ, खाना पकाना और किसी भी प्रकार के शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पितृ पक्ष के पहले दिन श्राद्ध करना उचित होगा या नहीं? आइए जानते हैं इस चंद्रग्रहण से जुड़ी जरूरी जानकारियां, सूतक काल की शुरूआत का समय, और श्राद्ध से संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी।

सूतक काल कब से ?

चंद्रग्रहण की शुरूआत 7 सितंबर की रात 9 बजकर 57 मिनट पर होगी। इसके हिसाब से सूतक काल ग्रहण शुरू होने से लगभग 9 घंटे पहले, यानी 7 सितंबर की दोपहर 1 बजकर 57 मिनट से शुरू हो जाएगा। सूतक काल शुरू होते ही सभी मंदिरों के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और धार्मिक अनुष्ठान या शुभ कार्य रोक दिए जाते हैं। इस दौरान खाने-पीने की चीजों में तुलसी के पत्ते या दूर्वा डालना शुभ माना जाता है। चूंकि यह चंद्रग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए सूतक काल भी भारत में वैध और मान्य माना जाएगा। इस समय सावधानी बरतना और नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक होता है।

चंद्रग्रहण के लिए सूतक काल ग्रहण आरंभ होने से 9 घंटे पहले शुरू होता है।

सूर्यग्रहण के लिए सूतक काल ग्रहण आरंभ होने से 12 घंटे पहले शुरू होता है।

चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण के सूतक काल में 3 घंटे का अंतर होता है। इस समय भगवान की मूर्तियों को स्पर्श नहीं किया जाता।

सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

ग्रहण काल में खाना-पीना वर्जित होता है।

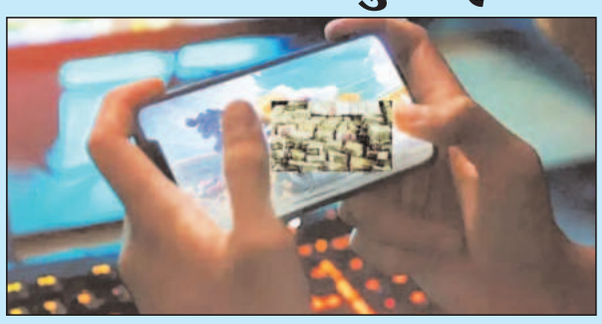

इस समय पूजा-पाठ या अन्य शुभ कार्य नहीं किए जाते।

घर और मंदिर की साफ-सफाई की जाती है।

दान-पुण्य और धार्मिक कार्य किए जाते हैं।

जुआ युवाओं को बर्बाद कर रहा था, इसलिए बनाए नया कानून: मोदी

गेमिंग बुरा नहीं है, लेकिन जुआ युवाओं और परिवारों को बर्बाद कर रहा था: मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने वाला नया कानून बिना किसी दबाव के लागू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गेमिंग बुरा नहीं है, लेकिन जुआ युवाओं और परिवारों को बर्बाद कर रहा था। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के साथ संवाद में कहा कि 'ऑनलाइन गेमिंग प्रचार और विनियमन अधिनियम, 2025' छात्रों और परिवारों को लत, आर्थिक शोषण और हिंसक सामग्री से बचाने के लिए लाया गया है। इस कानून के तहत सभी तरह के ऑनलाइन मनी गेम्स पर रोक रहेगी, जबकि ई-स्पोर्ट्स और सकारात्मक ऑनलाइन गेम्स को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत यदि सही दिशा में प्रयास करे तो वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग बाजार पर प्रभुत्व जमा सकता है, साथ ही इसमें रोजगार की भारी संभावनाएं भी हैं। पीएम मोदी ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे छात्रों को गेमिंग और जुए के अंतर के बारे में जागरूक करें। प्रधानमंत्री ने बताया कि कई लोग, खासकर युवा और गृहिणियां, ऑनलाइन जुए में फंसकर कर्ज और आत्महत्या जैसे खतरनाक हालात तक पहुंच रहे थे।

इसलिए सख्त कदम उठाना पड़ा...

पीएम मोदी ने आगे इस बात पर जोर दिया कि आखिर क्यों ऐसा सख्त कदम उठाना पड़ा। इस बात पर उन्होंने कहा कि यह एक नशे की तरह फैल रहा था, इसलिए सरकार को सख्त कदम उठाना पड़ा। उन्होंने नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। पीएम मोदी ने बताया कि देशभर में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित हो चुकी हैं और 50,000 नई लैब्स मंजूर की गई हैं। कहा, शिक्षक आने वाली पीढ़ी को जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इसको लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने चिंता जताते हुए कहा कि ऑनलाइन जुए ने कई परिवारों को आर्थिक नुकसान पहुंचाया है।

ऑनलाईन गेमिंग: महिलाएं-युवा इसकी चपेट में आए

महिलाएं और युवा इसकी चपेट में आए हैं और कई मामलों में लत इतनी गंभीर हो गई कि आत्महत्या तक की नौबत आ गई। सरकार अब ऐसे खतरों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षकों की भूमिका को बताया अहम

पीएम मोदी ने आगे शिक्षकों को चाहिए कि वे छात्रों को इस लत से बचाएं और समझाएं कि ऑनलाइन गेमिंग कैसे जिम्मेदारी से की जाए।

उन्होंने बताया कि ओलंपिक में भी अब ई-गेमिंग शामिल है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि बच्चे लत का शिकार हों।

क्या कहता है नया कानून?

बता दें कि सरकार द्वारा लागू किए गए ह्यऑनलाइन गेमिंग प्रचार और विनियमन अधिनियम, 2025ह्न के तहत ऑनलाइन पैसे वाले गेम्स यानी ऑनलाइन जुए पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। वहीं, ई-स्पोर्ट्स और कौशल आधारित गेमिंग को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। इस कानून के तहत जुए से जुड़े किसी भी विज्ञापन पर रोक होगी और बैंकों व वित्तीय संस्थानों को ऐसे गेम्स के लिए फंड ट्रांसफर करने से भी मना किया गया है।

टैरिफ: घबराने की जरूरत नहीं, बातचीत चल रही है: गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ की वजह से उपजे तनाव को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी टैरिफ को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत और अमेरिका एक न्यायसंगत, संतुलित और निष्पक्ष समझौते पर पहुंचेंगे। पीयूष गोयल ने एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में आश्वासन दिया कि भारत और अमेरिका के बीच अच्छे संबंध बने रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि घबराने की कोई जरूरत है।

हमें बातचीत होने देनी चाहिए। अमेरिका के साथ हमारे अच्छे संबंध बने हुए हैं। मुझे विश्वास है कि हम इनमें से कुछ मुद्दों को सुलझाकर एक न्यायसंगत, संतुलित और निष्पक्ष समझौते पर पहुंचेंगे।'

'बातचीत में कोई समय-सीमा नहीं होती'

बातचीत की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'बातचीत में कोई समय-सीमा नहीं होती। आपको इसे धैर्यपूर्वक करना चाहिए, क्योंकि आप इसे दीर्घकालिक रूप से कर रहे हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले भारतीय सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। शुरूआत में ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की थी, जबकि बाद में उन्होंने भारत की ओर से रूसी तेल के निरंतर आयात का हवाला देते हुए 25 फीसदी का और टैरिफ लगाया, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

बिहार चुनाव: बयानबाजी से बचें, जमीनी स्तर पर करें काम: अमित शाह

नई दिल्ली

बिहार में इस साल के अंत तक विधानसबा के चुनाव होने है। इसके लिए राजनातिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। ऐसे में गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में प्रदेश के नेताओं को बेवजह की बयानबाजी से बचने और विपक्षी महागठबंधन के मुद्दों के खिलाफ जमीनी स्तर पर सक्रिय अभियान चलाने की नसीहत दी है। कोरग्रुप की बैठक में शाह ने साफ कर दिया है कि इस बार उम्मीदवारों के चयन में स्थानीय कार्यकताओं की भावनाओं को पहली प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने राज्य इकाई को जल्द

से जल्द चुनाव अभियान समिति गठित करने सभी विधानसभा सीटों पर सक्रियता बढ़ाने का भी निर्देश दिया है।

चार घंटे तक चली बैठक

बुधवार को करीब चार घंटे बैठक में विपक्षी महागठबंधन की ओर से एसआईआर के खिलाफ जारी अभियान की काट पर बैठक हुई। इस दौरान प्रदेश के नेताओं को जीएसटी दर में परिवर्तन के कारण नवरात्र से गरीबों और मध्य वर्ग को मिलने वाली राहत का जोरशोर से प्रचार करने का निर्देश दिया गया।

जघन्य अपराधों पर सख्त सुप्रीम कोर्ट, कहा- जरूरी हैं अधिक समर्पित एनआईए अदालतें

जघन्य अपराध करने वाले अपराधी न्याय प्रणाली को हाईजैक करने और अदालतों पर जमानत देने के दबाव डालने की कोशिश करते हैं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने जघन्य अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए और अधिक समर्पित एनआईए अदालतों की आवश्यकता पर जोर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, जघन्य अपराध करने वाले अपराधी न्याय प्रणाली को हाईजैक करने और अदालतों पर जमानत देने के दबाव डालने की कोशिश करते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भट्टी ने बताया कि केंद्र समर्पित एनआईए अदालतें स्थापित करने के लिए राज्यों के साथ परामर्श कर रहा है। इस संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

पीठ ने भाटी से कहा कि जघन्य अपराधों में समयबद्ध तरीके से सुनवाई पूरी करना समाज के हित में है और यह दुर्दांत अपराधियों के लिए निवारक का काम करता है। यह आपके लिए प्रोत्साहन का एक अवसर है। कभी-कभी ये दुर्दांत अपराधी पूरी न्याय व्यवस्था को अपने नियंत्रण में ले लेते हैं और मुकदमे को पूरा नहीं होने देते, जिसके परिणामस्वरूप अदालतें देरी के आधार पर उन्हें जमानत देने के लिए मजबूर हो जाती हैं।

गवाह को संरक्षण जमानत निरस्त करने का विकल्प नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गवाहों को धमकी देने वाले आरोपियों की जमानत रद्द की जानी चाहिए, न कि संरक्षण के लिए गवाहों को बाध्य किया जाना चाहिए। गवाह संरक्षण जमानत रद्द करने का विकल्प नहीं हो सकता। शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट की ऐसी प्रथा पर सवाल उठाते हुए की है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि धमकियों के कारण अभियुक्तों की जमानत रद्द करने की मांग करने वाले लोगों को गवाह संरक्षण योजना के तहत राहत के लिए बाध्य किया जा रहा है। ऐसा कानून की गलत धारणा के आधार पर किया जा रहा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा, हमें यह जानकर निराशा हुई है कि इस तरह का आदेश पारित करने की प्रथा दो वर्षों से भी अधिक समय से प्रचलन में है। पीठ ने कहा, इलाहाबाद हाईकोर्ट की वेबसाइट पर एक साल में पारित ऐसे कम से कम 40 आदेश मिले हैं। हैरानी की बात यह है कि सभी आदेश एक-दूसरे की हूबहू नकल हैं। यह दुखद है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने फिरेराम की अपील पर हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हत्या के आरोपी की धमकियों के आधार पर जमानत रद्द करने की याचिका पर विचार करने के बजाय, गवाह को 2018 की योजना का लाभ उठाने को कहा गया था। पीठ ने हाईकोर्ट को जमानत रद्द करने की अर्जी पर चार सप्ताह के भीतर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।

जमानत सिर्फ रिहा करने वाला यांत्रिक आदेश नहीं : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत को केवल किसी व्यक्ति को हिरासत से रिहा करने वाले यांत्रिक आदेश के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट की उस प्रथा पर की है, जिसमें कई मामलों में धमकी देने के बावजूद आरोपियों की जमानत रद्द करने के बजाय गवाहों को संरक्षण योजना का लाभ उठाने के लिए बाध्य किया जाता है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि परेशान करने वाली बात यह है कि सरकारी वकील ने कानून की सही स्थिति बताकर जज को सही दिशा में मदद नहीं की। इसके बजाय उसने खुद आग्रह किया कि गवाह या शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत राहत दी जाए।

देश के 47% मंत्रियों पर क्रिमिनल केस

653 मंत्रियों में से 174 पर मर्डर-रेप जैसे गंभीर आरोप; इनमें भाजपा के 136, कांग्रेस के 45 मिनिस्टर

नई दिल्ली

देशभर के 302 मंत्री (करीब 47%) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं, केंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40%) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। यह जानकारी चुनाव सुधार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट में सामने आई है। अऊफ्र ने 27 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों (एफिडेविट) का विश्लेषण किया। कहा कि जिन शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है, वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने की बात कही गई थी। **भाजपा** -336 मंत्रियों में से 136 (40%) पर आपराधिक केस हैं, वहीं 88 (26%) पर गंभीर आरोप हैं। **कांग्रेस-** 61 मंत्रियों में से 45 (74%) पर केस हैं, 18 (30%) पर गंभीर आरोप हैं।

फर्जी एग्रीमेंट/किसान क्रेडिट कार्ड से लिया ऋण, दूसरे काम में लगाया पैसा

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), विशाखापत्तनम उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने फर्जी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) मछली टैंक ऋण लेकर केनरा बैंक, कंचारपालेम शाखा, विशाखापत्तनम से धोखाधड़ी के एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 2.20 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति और 1.36 लाख रुपये मूल्य की चल संपत्ति (कुल 2.22 करोड़ रुपये) अनंतिम रूप से कुर्क की है। कुर्क की गई संपत्तियां डोडला वेंकट कृष्ण कुमार और उनकी पत्नी डोडला सुनीता के नाम पर आवासीय फ्लैट, भूखंडों व बैंक बैलेंस के रूप में हैं। उन्होंने केसीसी मछली टैंक ऋण राशि से ये संपत्तियां जुटाई थी। यह लोन देवसनी निर्मला, अदारी चंद्रकला और कोव्वुरी श्रीनिवास ने केनरा बैंक, कंचारपालेम शाखा, विशाखापत्तनम से लिया गया था।

रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट- भारत में बुजुर्ग बढ़े

केरल में सबसे ज्यादा; 50 साल में बच्चों की आबादी भी 17% घटी

0-14 आयु वर्ग की हिस्सेदारी और प्रजनन दर में गिरावट

नई दिल्ली

2023 के नमूना पंजीकरण प्रणाली की रिपोर्ट पर गौर करें तो भारत के सामने बुढ़ापे की चिंता साफ झलक रही है। आंकड़े सवाल कर रहे हैं कि क्या भारत बूढ़ा हो रहा है। दरअसल रिपोर्ट के मुताबिक जनसंख्या में 0 से 14 आयु वर्क की हिस्सेदारी कम होती जा रही है। साथ प्रजनन दर में भी गिरावट के संकेत हैं। रिपोर्ट दशार्ती है कि जनसंख्या में कामकाजी आयु वर्ग का अनुपात बढ़ रहा है, वृद्धों की जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 0-14 आयु वर्ग का हिस्सा 1971-1981 के दौरान कुल जनसंख्या में 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी और 1991-2023 के दौरान 36.3 फीसदी से घटकर 24.2 फीसदी हो गया है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब भारत के महापंजीयक के एसआरएस डाटा के मुताबिक देश की कुल प्रजनन दर 1971 में 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 हो जाएगी। 2023 की रिपोर्ट में एसआरएस नमूना सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर विभिन्न जनसांख्यिकीय, प्रजनन और मृत्यु दर संकेतकों के अनुमान शामिल हैं। भारत में एसआरएस दुनिया के सबसे बड़े जनसांख्यिकीय सर्वेक्षणों में से एक है। इसमें लगभग 88 लाख नमूना जनसंख्या शामिल है।

दिल्ली का ग्रामीण इलाका इकलौता जहां 0-14 आयु वर्ग में महिलाएं अधिक

रिपोर्ट में कहा गया है, आंकड़े बताते हैं कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, 0-14 आयु वर्ग में पुरुषों का प्रतिशत महिलाओं की तुलना में अधिक है, सिवाय दिल्ली के ग्रामीण इलाकों के, जहां महिलाओं का अनुपात पुरुषों से अधिक है। यह कुल जनसंख्या में आर्थिक रूप से सक्रिय समूह (15-59 वर्ष) के अनुपात में लगातार वृद्धि दशार्ता है।

आर्थिक रूप से सक्रिय आयु वर्ग की आबादी बिहार में सबसे कम

रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक रूप से सक्रिय समूह (15-59 वर्ष) की आबादी बिहार में सबसे कम 60.1 फीसदी है। इस वर्ग की जनसंख्या राजस्थान में 63.4 प्रतिशत, और उत्तराखंड तथा मध्य प्रदेश दोनों में 63.9 फीसदी है। शहरी क्षेत्र, आर्थिक गतिविधियों का केंद्र होने के कारण, इस आयु वर्ग को आकर्षित करते हैं, जो कुल जनसंख्या का 68.8 फीसदी है। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यशील आयु वर्ग की आबादी 64.6 फीसदी के साथ कम बनी हुई है।

चिंताजनक: सोशल मीडिया ने दुनिया को और ज्यादा बांटा, एसएसआरसी की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बढ़ता पोलराइजेशन (ध्रुवीकरण) अब लोकतांत्रिक संवाद के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। अमेरिका स्थित सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (एसएसआरसी) की ताजा अंतरराष्ट्रीय स्टडी ने चेतावनी दी है कि एल्गोरिद्म की संरचना इस तरह काम कर रही है कि उपयोगकर्ता लगातार उन्हीं विचारों से जुड़ी सामग्री देखते हैं, जिससे समाज में असहिष्णुता बढ़ रही है और सांस्कृतिक-राजनीतिक विभाजन और गहरे हो रहे हैं। एसएसआरसी की इस रिसर्च में अमेरिका, यूरोप, भारत, ब्राजील और दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े डाटा का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के अनुसार चुनावी वर्षों और बड़े राजनीतिक आंदोलनों के दौरान इको चैंबर (गूंज-कोष) का प्रभाव सबसे ज्यादा दिखता है। यहां एक खास विचारधारा से जुड़े उपयोगकताओं को लगातार उसी दिशा की सामग्री मिलती है, जिससे फेक न्यूज और नफरत फैलाने वाले कंटेंट को बढ़ावा मिलता है।

क्या कहता है अध्ययन?

अध्ययन के अनुसार वैश्विक स्तर पर जो प्रमुख निष्कर्ष निकल कर आए हैं उनमें राजनीतिक ध्रुवीकरण सबसे ज्यादा है। लोग अपने विरोधियों से बातचीत करने के बजाय उन्हें ब्लॉक या अनफॉलो करना ज्यादा पसंद करते हैं।

बाढ़: पूर्वी दिल्ली में हाहाकार, तीन दिन में 2500 लोगों को बचाया

बाढ़ ने रोके सरकारी कामकाज, विकास परियोजनाओं पर असर बारापुला एलिवेटेड कॉरिडोर भी बाधित, 1000 से अधिक गायों को बचाया

नई दिल्ली

यमुना में बाढ़ के कारण सरकारी कामकाज और विकास से जुड़ी परियोजनाएं प्रभावित हो गई हैं। परिवहन विभाग की बुराड़ी अथॉरिटी में पानी भरने से कामकाज बंद कर दिया गया है। विभाग की ओर से नोटिस जारी कर रविवार तक काम बंद रहने की जानकारी दी गई है। वहीं, यमुना का जलस्तर बढ़ने से बारापुला फेज-तीन एलिवेटेड कॉरिडोर का भी काम रुक गया है।

मेट्रो की ब्लू लाइन के यमुना बैंक स्टेशन के आसपास पानी भरने से स्टेशन से यात्रियों का निकलना और प्रवेश करना मुश्किल भरा हो गया है। दिल्ली मेट्रो की ओर से यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों पर विचार करने के लिए कहा गया है। हालांकि, ट्रेनों की आवाजाही में कोई समस्या नहीं है।

जान बचाने में मददगार साबित हो रहा बोट क्लब, तीन दिन में बचाए ढाई हजार लोग

इधर, पानी भरने से बुराड़ी अथॉरिटी के बंद होने से वाहनों की फिटनेस जांच बंद हो गई है। ऑटो चालकों के कई संगठनों ने फिटनेस जांच में देरी पर लगने वाले जुर्माने को माफ करने की मांग की है। यह जुर्माना पहले दिन 500 रुपये और प्रतिदिन के 20 रुपये के हिसाब से लगाया जाता है। ऑटो टैक्सी चालकों का कहना है कि परिवहन विभाग ने स्वयं अथॉरिटी बंद की है इसलिए इस दौरान देरी होने पर जुमार्ने को माफ किया जाए। दिल्ली में करीब एक लाख तिपहिया और करीब 50 हजार विभिन्न श्रेणियों की टैक्सियां हैं जिनकी फिटनेस बुराड़ी अथॉरिटी में की जाती है। प्रतिदिन करीब 250 तिपहिया और टैक्सियों की फिटनेस होती है। परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि जुमार्ना माफ करने के लिए मुख्यालय को पत्र भेजा गया है।

पशुओं को भी बचाया

एसडीएम प्रीत विहार संदीप यादव ने कहा कि प्रशासन ने यमुना में 14 स्थानों पर बोट लगाई हुई हैं। ऐसी रणनीति बनाई है, जहां से रेस्क्यू के लिए कॉल आ रही है। वहां बिना देरी किए बचाव बद को बोट से भेज दिया जाता है। यमुना खादर में पशु प्रेमी भी रेस्क्यू आपरेशन में जुटे हुए हैं। इसमें से अधिकतर डॉग लवर हैं। वह ट्यूब लेकर खादर में भरे पानी में जा रहे हैं। जहां भी उन्हें कुत्ते मिल रहे हैं वह उन्हें गोद में व कमर पर लटकाकर ला रहे हैं।

गांव का निरीक्षण किया

डीएम ने अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण उत्तर पूर्वी जिले के डीएम अजय कुमार ने करावल नगर एसडीएम अमोद बड़थवाल के साथ जल स्तर से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मोटर बोट से उन्होंने बदरपुर खादर गांव का निरीक्षण किया। प्रभावित लोगों से मिले। इसके बाद सोनिया विहार में पार्षद बृजेश सिंह के साथ शिविरों का निरीक्षण किया। अजय कुमार ने कहा कि प्रशासन ने अपनी ओर से बेहतर व्यवस्था की हुई है। प्रभावित लोग भी प्रशासन का सहयोग करें।

डीएम ने दी यमुना से दूर रहने की नसीहत

पूर्वी जिल के डीएम अमोल श्रीवास्तव ने एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें उन्होंने नसीहत दी है कि लोग यमुना से दूर रहें। यमुना खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है। लोग यमुना किनारे न जाएं और न ही तैराकी, नौकायन या किसी भी तरह की गतिविधि करें। निचले इलाकों में रह रहे लोग तुरंत सुरक्षित स्थानों और प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में जाएं। आपात स्थिति या बचाव कार्य के लिए 1077 नंबर पर संपर्क करें।

जलस्तर बढ़ने से निचले क्षेत्रों में पानी भर गया

यमुना अपने रौद्र रूप में है। पानी का बहाव बहुत तेज है। जलस्तर से प्रभावित क्षेत्रों में जान बचाने में पूर्वी जिले का बोट क्लब मददगार साबित हो रहा है। पिछले तीन दिन में क्लब के गोताखारों व सदस्यों ने 2500 लोगों का रेस्क्यू किया है। यह वह लोग हैं जो अपने घर व झुग्गियों में फंसे हुए थे। एक हजार से अधिक बेसहारा गाय बचाने के साथ ही 500 आवारा कुत्तों को बचाया है। बुराड़ी, बदरपुरखादर गांव, पुराना उस्मानपुर, पुराना गढ़ी मेंढू गांव, सिविल लाइन, गीता कॉलोनी, पुराना लोहापुल, यमुना बैंक, जैतपुर, मयूर विहार फेज-एक, डीएनडी, गीता कॉलोनी, यमुना बैंक समेत कई क्षेत्रों में बोट क्लब पिछले तीन दिनों से समय-समय पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है। इस संबंध में बोट क्लब के इंचार्ज हरिश कुमार ने बताया कि जलस्तर बढ़ने से यमुना खादर व निचले क्षेत्रों में पानी भर गया है। बोट क्लब के सदस्यों ने पुलिस समेत अन्य विभागों के साथ मिलकर प्रभावित लोगों को उनके घरों से निकाला।

यमुना के किनारों के विकास कार्य भी प्रभावित

बाढ़ से यमुना के किनारों पर किए गए विकास कार्यों पर भी असर पड़ा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान यमुना किनारे असिता ईस्ट पार्क बनाया गया। करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक लागत से यह बनकर तैयार हुआ है। इसी पार्क से हाट एयर बैलून भी उड़ाने की तैयारी थी। अब पानी कम होने के बाद पार्क को पहले संवारा जाएगा। इस पार्क में चार हजार से अधिक पेड़, पौधे व अलग-अलग प्रजातियों के फूल आदि भी लगे हैं। इसी तरह बांस थीम पार्क बांसेरा में भी यमुना का पानी पहुंच गया है। 25 हजार से अधिक विशेष किस्म के बांस के पौधे यहां पर लगे हुए हैं। कश्मीरी गेट के आसपास पानी भरने से बसों की आवाजाही प्रभावित है। मुख्य सड़क पर भी पानी भरा है। इससे पंजाब, उत्तराखंड और स्थानीय बसों का आवागमन में दिक्कत हो रही है।

कालिंदी कुंज में घुसा पानी; बाढ़ पीड़ितों से मिले केजरीवाल

नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पुराने लोहे के पुल की सड़क तक पानी पहुंचने की उम्मीद है। गुरुवार को पुराने रेलवे पुल पर नदी का जलस्तर 207.48 मीटर तक पहुंच गया था, जो इस सीजन का सबसे ऊंचा स्तर है। कुछ समय तक स्थिर रहने के बाद अब धीरे-धीरे इसमें कमी आनी शुरू हो गई है। सिग्नेचर ब्रिज से ड्रोन के जरिए तस्वीर ली गई। जहां लगातार बारिश के बाद यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

दिल्ली में उफान पर यमुना

लगातार बारिश के बाद यमुना नदी के उफान पर आने और खतरे के निशान को पार करने के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को मयूर विहार फेज-1 के पास बनाए गए राहत शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। बाढ़ के पानी को बाहर निकालने के लिए वासुदेव घाट के आसपास के इलाकों में मशीनें लगाई गईं। वहीं यमुना का पानी कालिंदी कुंज इलाके में भी पहुंच गया है।

दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में लगा जाम

संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर शुक्रवार सुबह 207.33 मीटर तक पहुंच गया है। जबकि चेतावनी स्तर 204.50 मीटर, खतरनाक स्तर 205.33 मीटर और हाई फ्लड लेवल 208.66 मीटर है। बता दें कि कश्मीरी गेट इलाके में बाढ़ का पानी आने से ट्रैफिक की रफ्तार धीमी है। जिसकी वजह से सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है।

स्पाई कैमरे से बाजार में महिला का बनाया अश्लील वीडियो, आरोपी गिरफ्तार

● पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की और संदिग्ध की तस्वीर को प्रसारित किया

नई दिल्ली

दिल्ली के किशनगढ़ इलाके से एक सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ है। जहां पुलिस ने एक निजी एयरलाइन के पायलट को छेड़छाड़ और आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहित प्रियदर्शी के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा का रहने वाला है। पुलिस को उसके पास से एक लाइटर जैसा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीती 30 अगस्त की रात करीब 10:20 बजे किशनगढ़ गांव की रहने वाली एक महिला ने शनि बाजार में एक अज्ञात व्यक्ति को लाइटर के आकार के डिवाइस से आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करते हुए देखा। महिला की शिकायत पर किशनगढ़ थाना पुलिस ने केस दर्ज किया।

डीयू शिक्षक संघ चुनाव में लहराया भगवा परचम

● कला संकाय और सत्यकाम भवन में स्थापित 32 मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हुआ

नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ चुनाव में भगवा परचम लहराया है। भाजपा समर्थित शिक्षक संगठन एनडीटीएफ के प्रो वीएस नेगी डूटा अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने वामपंथी संगठन डीटीएफ के प्रो राजीव रे को 638 मतों से हराया। बीते साल भी एनडीटीएफ ने डूटा अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी। तब प्रो ए.के भागी अध्यक्ष बने थे। रात दो से तीन बजे के बीच घोषित किये गए थे नतीजे। प्रो को 3766 वोट मिले जबकि राजीब रे को 2728 वोट मिले। आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन एएडी टीए के राजेश झा को 1451 मत मिले।

डूटा चुनाव में 84 प्रतिशत मतदान, कार्यकारिणी के नतीजे घोषित

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान उत्साहपूर्ण रहा, जिसमें 9,800 पात्र शिक्षकों में से 8,221 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार 84 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2023 में दर्ज 85.85 प्रतिशत से थोड़ा कम है। कला संकाय और सत्यकाम भवन में स्थापित 32 मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हुए मतदान में अध्यक्ष पद के छह उम्मीदवारों और कार्यकारिणी सदस्यों के 15 पदों के लिए 25 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला हुआ। अध्यक्ष पद के लिए मतगणना देर रात तक जारी रही और जबकि कार्यकारिणी के नतीजे घोषित किए गए। डूटा कार्यकारिणी के लिए 15 सदस्य चुने गए, जिनमें आकांक्षा खुराना 9,576 वोट पाकर शीर्ष पर रहीं। उनके बाद रामानंद सिंह (9,192) और मनीष कुमार (7,372) रहे। अन्य विजेता हैं साक्षी यादव (6,612), दिनेश कटारिया (6,439), अमित सिंह (6,388), बिमलेंदु (6,081), संजय कुमार (5,862), विश्वजीत दीक्षित (5,238), देवेन्द्र के राणा (4,521) और धनराज मीना (3,949)।

डूटा चुनाव के रंग में रंगा नजर आया कैंपस

दिल्ली विश्वविद्यालय बृहस्पतिवार को शिक्षक संघ चुनाव के रंग में रंगा नजर आया। चुनाव को लेकर शिक्षकों में सुबह से ही उत्साह रहा। सुबह 10 बजे शुरू मतदान पांच बजे तक चला जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक वोट डालने के लिए पहुंचे। इस दौरान मतदान केंद्रो के बाहर प्रत्याशी व उनके समर्थक वोट मांगते रहे। मतदान के बाद देर शाम वोटों की गिनती भी शुरू हो गई।

शाम 5 बजे तक हुए मतदान में

मादक पदार्थ के अंतर्राष्ट्रीय सिंडिकेट का पर्दाफाश

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए 7 किलो के करीब प्रतिबंधित नशे का पदार्थ मेथाम्फेटामाइन बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 21 करोड़ रुपये आंकी गई है। छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें दो नाइजीरियाई नागरिक और एक महिला शामिल हैं।

पुलिस ने 6.40 करोड़ के शेयर बाजार घोटाले में दो को दबोचा

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने शेयर बाजार घोटाले में शामिल दो प्रमुख आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर मंजीत कुमार की अगुआई और एसीपी रमेश लांबा की निगरानी में हुई इस कार्रवाई में पकड़े गए मोहम्मद आसिम अली खान और रुशिकेश जयवंत कांबले ने अंतरराज्यीय साइबर सिंडिकेट्स को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए, जिससे पीड़ितों के धन को कई चैनलों के जरिए हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग की गई। फर्जी आईपीओ फंडिंग और हाई रिटर्न वाले शेयर बाजार निवेश के झूठे वादों से लुभाकर इस सिंडिकेट ने निवेशकों से करीब 6.40 करोड़ रुपये ठगे।

ई वाहन खरीदारों को बिना देरी सब्सिडी दें: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को वादे के मुताबिक सब्सिडी देने के लिए जल्दी कदम उठाए। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि दिल्ली सरकार इस दलील से नहीं बच सकती है कि 2020 की दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन योजना में सब्सिडी देने का टाइमलाइन तय नहीं की गई है।

मजबूरी बताकर युवती से ऐंठ लिए 70 हजार रुपये, गिरफ्तार

● आरोपी ने अलग-अलग मौके पर कोई न कोई मजबूरी बताकर युवती से 70 हजार रुपये भी ऐंठ लिए

नई दिल्ली

महिला दोस्त और अपने परिवार को धोखा देकर आरोपी खुद को सेना में पैरा कमांडो लेफ्टिनेंट बताने लगा। सेना का अधिकारी बनकर आरोपी ने युवती से शादी का वादा किया। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग मौके पर कोई न कोई मजबूरी बताकर युवती से 70 हजार रुपये भी ऐंठ लिए। मुलाकात के दौरान युवती को जब उस पर शक हुआ तो उसने पुलिस को खबर दे दी।

बाद में आरोपी का भेद खुल गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान संजीव नगर, कानपुर, यूपी निवासी दीपांशु (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से सेना में लेफ्टिनेंट की वर्दी के अलावा एक फर्जी आईकार्ड भी बरामद किया है। जांच के दौरान पता चला है कि आरोपी एनडीए की परीक्षा में शामिल हो चुका है, लेकिन पास नहीं हुआ था। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि 1 सितंबर को भोलानाथ नगर, फर्श बाजार निवासी 28 साल की एक युवती ने 70 हजार रुपये ठगी की शिकायत दी थी। पीड़िता ने बताया कि आरोपी खुद को सेना में पैरा कमांडो लेफ्टिनेंट बता रहा है।

उमर खालिद की बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे कपिल सिब्बल

नई दिल्ली

दिल्ली दंगों के मामले में आरोपी उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज होने के बाद वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। सिब्बल ने इसे अन्याय करार दिया है। क्योंकि बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम समेत 10 आरोपियों को जमानत देते ने इनकार कर दिया था। सिब्बल ने कहा कि उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज करना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। सिब्बल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम सही काम करने और इसके लिए आवाज उठाने से कतराते हैं। हमारे वकील, मध्यम वर्ग और समाज खामोश हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है, जब राजनीतिक दल इस तरह के मुद्दों को उठाने से बचते हैं, यह सोचकर कि इससे उनकी राजनीति को नुकसान हो सकता है। सिब्बल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के उस कथित बयान पर भी निशाना साधा है। जिसमें उन्होंने कहा था कि खालिद के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कम से कम सात बार सुनवाई स्थगित करने की मांग की थी। सिब्बल ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में केवल दो बार स्थगन मांगा गया था।

● खालिद के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कम से कम सात बार सुनवाई स्थगित करने की मांग की थी

उमर खालिद और शरजील इमाम को हाईकोर्ट ने नहीं दी थी जमानत

दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते मंगलवार को फरवरी 2020 के दंगों से जुड़े एक यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम समेत 10 आरोपियों को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति नवीन चावला और शालिंदर कौर की खंडपीठ ने नौ आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कीं, जबकि न्यायमूर्ति सुब्रमोनियम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश शंकर की पीठ ने तसलीम अहमद की याचिका खारिज की। दंगे में 53 लोगों की मौत हुई थी।

सोने की ईंट और आभूषण देख डोली मंगेतर की नियत, ले उड़ा आभूषण

● एक करोड़ से अधिक के आभूषण उड़ा लिए।
● मंगेतर को सोने की ईंट दी

नई दिल्ली

सात फेरे लेने की तैयारी कर रहे मंगेतर ने जब अपनी होने वाली पत्नी के जेवरात और सोने की ईंट देखी तो उसकी नियत खराब हो गई। उसने पहले सोने, चांदी और हीरे के एक करोड़ से अधिक के आभूषण उड़ा लिए। युवती ने आभूषण बनवाने के लिए मंगेतर को सोने की ईंट दी। आरोपी ने चुपचाप सोने की ईंट बदलकर नकली रख दी। शक होने पर उसने मंगेतर नीतिश वर्मा से सख्ती से पूछताछ की तो आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। वह ईंट या पैसे वापस करने की बात करने लगा। नीतिश मौका लगते ही फरार हो गया। मामला दर्ज होने के बाद लोकल पुलिस के अलावा एंटी नारकोटिक्स सेल ने आरोपी को कौशांबी गाजियाबाद से दबोच लिया।

माता-पिता की हो चुकी है मौत

करोल बाग निवासी पीड़िता अपने भाई के साथ रहती है। माता-पिता की मौत हो चुकी है।

संपादकीय

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-यह युद्ध का दौर नहीं है। यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। ऑपरेशन गंगा के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे।

भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि विश्वगुरु के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति। भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है।

कुत्ता प्रसंग और युधिष्ठिर

प्रमोद भार्गव

आजकल न्यायालय से सड़क तक कुत्ता प्रसंग चल रहा है। यह गोवंश को बचाने से कहीं ज्यादा अहम् हो गया है। अब अह्य तो दोनों ही हैं, गाय दूध के लिए माता कही जाती है और कुत्ता आदमी का वफादार मित्र है। उसकी यही कृतज्ञता के फलतः महाभारत युग में धर्मराज युधिष्ठिर अपने अनुजों के साथ भक्त कुत्ते को भी स्वगारोहण के लिए ले गए थे। जैसे कुत्ता न हुआ शरीर का कोई अभिन्न हिस्सा हुआ।

आवारा और अनाथ बच्चों के आश्रयों की तरह देश में पशु-आश्रय स्थल भी बन गए हैं। इनमें आवारा, कटखना, खोए हुए कुत्तों और बिल्लियों को शरण दी जाती है। घर के कई बुजुर्ग, कई-कई संतान होने के बाद भी वृद्धाश्रमों में दिन काटने को मजबूर हैं। नाती-पोतों से वंचित रहते हुए अकेलेपन को अवसाद में भोग रहे हैं। बढ़ते एकल परिवारों में बूढ़ों का यही हश्र हो रहा है।

लेकिन देश को इन बूढ़ों से कहीं ज्यादा कुत्तों की चिंता हैं। अतएव पीर्श न्यायालय का आदेश है कि आवारा एवं कटरखने कुत्तों को पकड़कर उनकी टीकाकरण के साथ नसबंदी भी की जाए। तदुपरांत उन्हें छोड़ा जाए। यदि कोई कुत्ता हिंसक होने के साथ रेबीज से संक्रमित है तो वह संरक्षण में ही रहे। पशु प्रेमी चाहें तो ऐसे कुत्तों को गोद भी ले सकते हैं।

भला करें राम! जिस देश के बाल संरक्षण गृह, नशा मुक्ति केंद्र और आंगनवाड़ियां अथार्भाव के चलते बच्चों को कुपोशित होने से नहीं बचा पा रही हैं, वहीं अब बच्चों से ज्यादा कुत्तों की चिंता बढ़ रही है। अदालतें भी कुत्तों पर मेहरबान हैं। चूंकि न्यायालयों पर काम का बोझ बहुत है, करोड़ों मामले लंबित हैं। इस परिप्रेक्ष्य में न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थायी पुनर्वास के संबंध में निर्देश दिए हैं कि इस आदेश के विरुद्ध अर्जी पेश करने वाले व्यक्ति को अब 25 हजार और सरकारी संगठनों को दो लाख रुपए पंजीकरण हेतु शीर्ष न्यायालय को देने होंगे। यह राशि कुत्तों के लिए बुनियादी सुविधाएं हासिल कराने के काम आएगी। इस कमाल की बाध्यता के चलते जनहित याचिकाएं लगाने वाले लोगों की संख्या घट जाएगी।

अंततः कुत्ते के प्रति असली मोह न तो अदालत का है और न ही अर्जीकत्ताओं का ? श्वान की वफादार प्राकृतिक प्रवृत्ति के प्रति असली मोह तो आदमी और कुत्ते के बीच जीव-जगत के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक निर्लिप्त भाव से युधिष्ठिर ने ही जताया है। उनका कुत्ता मोह इतना अटूट है कि स्वगारोहण तक बना रहता है। जबकि पत्नी द्रोपदी से लेकर भाई तक उनका साथ छोड़ते चलते हैं पर कुत्ता साथ बना रहता है।

तो भला करें पांडवों का राम! पांडव पृथ्वी की परिक्रमा लगाकर योग बल के बूते हिमालय पर उत्तर दिशा में चल रहे हैं। योग के संयम से द्रोपदी का मन भंग हो गया और वे प्राण छोड़ते हुए पृथ्वी पर गिर पड़ीं। तब भीम ने धर्मराज युधिश्ठिर से इस मृत्यु का कारण जाना। वे बोले, द्रोपदी पक्षपात करते हुए अर्जुन से सबसे ज्यादा प्रेम करती थी, अब उसी का फल भोग रही है।

इसके बाद अपनी बौद्धिक विद्वता का भ्रम पाले रखने वाले सहदेव धरा पर लुढ़क गए। भीम ने फिर कारण जाना। धर्मराज बोले, सहदेव अपने जैसा किसी को बुद्धिजीवी नहीं समझता था। बुद्धि-भ्रम उसका आजीवन बड़ा दोश रहा।

आवारा कुत्तों की वापसी का मार्ग प्रशस्त पर सवाल आज भी बाकी है!

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को पकड़ कर डॉग शेल्टर में रखने के अपने 11 अगस्त के आदेश में शुक्रवार को संशोधन कर दिया है। संशोधित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आवारा कुत्तों को पकड़ कर उनका बंध्याकरण व टीकाकरण करने के बाद उन्हें छोड़ा जाएगा।

लेकिन इसके साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आक्रामक और रैबीज संक्रमित कुत्ते पकड़ने के बाद छोड़े नहीं जाएंगे यहां तक कि उन्हें डॉग शेल्टर में भी अलग रखा जाएगा। शीर्ष अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि नगरीय निकाय तत्काल प्रभाव से प्रत्येक वार्ड में आवारा कुत्तों को भोजन कराने के लिए एक निश्चति स्थान (फीडिंग प्वाइंट) बनाएंगी। कोई भी संस्था या व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में कुत्तों को सड़क पर खाना नहीं खिलाएगा और जो व्यक्ति इस निर्देश का उल्लंघन करते हुए पाया जाएगा उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्यवाही होगी।

कोर्ट का यह आदेश देश भर में समान रूप से लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले का दायरा बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। आठ सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल होगी और मामले पर फिर सुनवाई होगी। ये आदेश न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने 11 अगस्त के दो सदस्यीय पीठ के आदेश में मामूली संशोधन करते हुए दिए।

11 अगस्त को न्यायमूर्ति जेबी पाडीवाला और आर महादेवन की पीठ ने आवारा कुत्तों के काटने की समस्या पर स्वतः संज्ञान लेते हुए बहुत से निर्देश दिये थे। आदेश दिया था कि सभी आवारा कुत्तों को पकड़ कर डॉग शेल्टर में रखा जाएगा वहां उनका बंध्याकरण, टीकाकरण किया जाएगा लेकिन उन्हें दोबारा छोड़ा नहीं जाएगा। कोर्ट के इस आदेश पर कुत्ता और पशु प्रेमियों ने बड़ी प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जियां दाखिल कर आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। जिस पर अब तीन न्यायाधीशों की पीठ ने उस आदेश में थोड़ा संशोधन किया है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश एक कानून है, इसलिए भले ही कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखने का आदेश दिल्ली तक सीमित हो, लेकिन यह आग्रह करना स्वाभाविक है कि इसे अन्य राज्यों के शहरों में लागू किया जाए। स्वाभाविक रूप से, विभिन्न शहरों के पशु प्रेमी सड़कों पर उतर आए होंगे। पहले से ही, मुंबई में पुलिस कक्ष को कबूतर प्रेमियों और विरोधियों को रखने के लिए ढीला कर दिया गया है। अगर इससे देशव्यापी बहस छिड़ जाती, तो यह गड़बड़ हो जाती। 2019 की पशु गणना के अनुसार, देश में 15 मिलियन आवारा कुत्ते हैं। इतने सारे कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों का खुलना, टीकाकरण और नसबंदी के लिए पशु चिकित्सकों की नियुक्ति, और कुत्तों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था एक ऐसा आदेश था जिसने सैकड़ों करोड़ रुपये के बोझ में सैकड़ों करोड़ रुपये जोड़ दिए। परिणाम को लागू करना व्यावहारिक नहीं था और ये संस्थान इसे लागू नहीं कर पाते क्योंकि उनके पास कुत्तों के लिए आश्रय स्थापित करने की वित्तीय ताकत नहीं थी। इसलिए अच्छा हुआ कि पशु मित्रों ने समय रहते फैसले को चुनौती दी और कोर्ट ने भी गलती सुधार ली।

कोर्ट ने सुझाव दिया कि आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए एक विशिष्ट स्थान तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर कोई भी कहीं भी उठकर आवारा कुत्तों को खाना खिलाएगा तो यह काम नहीं करेगा। कोर्ट ने कहा कि कुत्तों को कहीं भी खाना खिलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बेशक, कोर्ट ने कहा, इसके लिए स्थानीय सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहना होगा। सुबह टहलने जाने वाले लोग और पशु मित्र अक्सर रात में कुत्तों को खाना खिलाते हैं। नगरपालिकाओं और स्थानीय निकायों से यह अपेक्षा करना कि यह कैसे करना है, हमारे देश की वास्तविकताओं से अवगत नहीं होना है। नगरपालिकाओं, नगर पालिकाओं और पुलिस की देखभाल करने की कुछ सीमा होनी चाहिए।

इस संबंध में, नागरिकों की जिम्मेदारी भी बहुत बड़ी है। पशु मित्र और उनके संगठन जो आवारा कुत्तों का समर्थन करते हैं, प्राथमिकता के साथ आए हैं। एक बार कुत्तों को खिलाने के स्थानों की पहचान हो जाने के बाद, पशु मित्र संगठनों को कुत्तों द्वारा आधे-अधूरे छोड़े गए स्थानों की सफाई की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। अन्यथा, कुत्ते बड़ी संख्या में रहेंगे जहां खाना खाया जाता है। भोजन के लिए एक-दूसरे पर हमला करें और आसपास के क्षेत्रों के लोग खाए गए भोजन की गंध से परेशान होंगे। जो कबूतरों का हुआ है, वही इन ढाबों का भी होगा जो सड़कों पर आवारा कुत्तों के लिए खोले गए थे। लोग यह रुख अपनाएंगे कि हमारे क्षेत्र में कुत्तों को खिलाने के लिए कोई सार्वजनिक सुविधा नहीं है, और संघर्ष जारी रहेगा। आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश भर में 3,715,713 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा था। यह रिकॉर्ड किया गया दंश इस बात का संकेत है कि स्थिति कितनी गंभीर है। इसका मतलब है कि देश में सैकड़ों लोग हर दिन कुत्तों द्वारा काटे जाते हैं। इंसान और कुत्ते। उनके बीच संघर्ष की जड़ यह है कि कुत्ते मनुष्यों को काटने की पेशकश करते हैं। मनुष्यों और कुत्तों के बीच जितना अधिक सामंजस्य होगा, उतना ही यह समस्या हल हो जाएगी। कुत्ते के शिकार पर मुख्य रूप से पहरा होता है, बच्चे और बुजुर्ग। पशु मित्रों को भी कुत्तों से निपटने के तरीके के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। इस तरह के संतुलित और व्यापक उपायों से इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

अदालत ने कहा कि अन्य क्षेत्रों में भोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि अनियमित भोजन से आम आदमी को समस्याएं होती हैं। अदालत ने उल्लंघनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन बनाने का भी निर्देश दिया। पीठ ने घोषणा की कि कोई भी व्यक्ति या संगठन अधिकारियों के कर्तव्यों के निर्वहन में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगा। सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रत्येक गैर-सरकारी संगठन को 25,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि एबीसी नियमों के अनुसार, किसी भी व्यक्ति या संगठन को नगर निगम अधिकारियों को कुत्तों को उठाने से नहीं रोकना चाहिए।

कोर्ट ने आदेश में आवारा कुत्तों को गोद लेने की भी छूट दी है। आदेश में कहा है कि पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को गोद लेने के लिए संबंधित नगर निकाय को अर्जी दे सकते हैं लेकिन उनकी जिम्मेदारी होगी कि जो कुत्ता उन्होंने गोद लिया है वह सड़क पर वापस नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने सभी नगर निकायों को हलफनामा दाखिल कर मौजूदा ढांचागत संसाधनों के आंकड़े जैसे डॉग शेल्टर की संख्या, पशु चिकित्सक, कुत्ता पकड़ने वाले लोग, कुत्ता पकड़ने का विशेष वाहन और पिंजड़े आदि की संख्या बताने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पशुपालन विभाग के सचिवों और स्थानीय निकायों के सचिवों के जरिए पक्षकार के तौर पर जोड़ने का आदेश दिया है ताकि उनके यहां एबीसी रूल लागू करने के बारे में उठाए गए कदमों की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही कोर्ट ने देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में आवारा कुत्तों की समस्या से संबंधित लंबित याचिकाएं भी सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित कर ली हैं। जिन पर इस मामले के साथ ही सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने आठ सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। मामले में आठ सप्ताह बाद फिर सुनवाई होगी।

दूसरी तरफ आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के संशोधित फैसले से लोगों में निराशा बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि विभिन्न सोसायटियों और कॉलोनियों में पहले से ही फीडिंग पॉइंट बने हुए हैं, लेकिन डॉग लवर्स अब भी जगह-जगह कुत्तों को खाना खिलाते हैं।गर सार्वजनिक स्थानों पर खाना खिलाने का विरोध होता है, तो वे हिंसा पर उतर आते हैं। ऐसी घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं।ट्रांस हिंडन के इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा, कौशांबी, मोहननगर, भोपुरा, राजेंद्र नगर, लाजपत नगर आदि इलाकों में कई सोसायटियां हैं, जिनमें सालों से फीडिंग पॉइंट बने हुए हैं।लेखक ने स्वयं इस रविवार को खाना खिलाने का विरोध को अजमाने के लिए वसई (जिला -पालघर) में सार्वजानिक स्थान पर रात को खाना खिलाने वालों का विरोध किया तो जवाब मिला बुढ्ढे चल यहाँ से नहीं तो इन्ही कुत्तों से कटवा देंगे ।फोटो भी नहीं निकालने दिया गया । लेखक कई वर्षों से आवारा कुत्तों के आतंक के बारे में लिखते आ रहे है । एक बार सार्वजानिक स्थान को खाना खिलाते व स्थान गन्दा करने का समाचार फोटो सहित अखबारों में छापने पर श्रीमती मेनका गाँधी के कार्यालय से चेतावनी भी सुन चुके है ।

इनमें से ज्यादातर सोसायटियों के पदाधिकारियों और लोगों का कहना है कि कुछ ही डॉग लवर्स उस पॉइंट का इस्तेमाल करते हैं। ज्यादातर डॉग लवर्स बेसमेंट, लिफ्ट के पास, पार्क, पार्किंग आदि में कुत्तों को खाना खिलाते हैं। फिर वही कुत्ते मौका मिलते ही लोगों पर हमला कर देते हैं।ज्यादातर कुत्ते बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करते हैं। डॉग लवर्स द्वारा विरोध करने पर मारपीट हो जाती है। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच जाता है। इससे लोग विरोध भी नहीं कर पाते।

सोचिए, आप किसे फॉलो कर रहे हैं

डॉ सत्यवान सौरभ

आज का युग सोशल मीडिया का युग है। यहाँ हर व्यक्ति कहीं न कहीं किसी का फॉलोवर है और किसी न किसी का आदर्श चुनता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि आखिर हम किसे फॉलो कर रहे हैं और क्यों कर रहे हैं। करोड़ों फॉलोअर्स वाले लोग अक्सर केवल एक या दो को ही फॉलो करते हैं। यह संकेत देता है कि असली प्रेरणा संख्याओं से नहीं बल्कि चयन से आती है। जैसे पानझगुटखा बेचने वाला व्यक्ति विज्ञापन में लाखों लोगों को खाने की प्रेरणा देता है, लेकिन खुद उस जहर को नहीं छूता। इसका अर्थ यही है कि जो सामने दिख रहा है, वही सच्चाई नहीं होता। जो हमें प्रेरणा देने का दावा करते हैं, उनके जीवन में वही मूल्य हों, यह जरूरी नहीं।

हमारे समाज में फॉलो करने की संस्कृति नई नहीं है। पहले के समय में लोग गुरुओं को, विचारधारा को या अपने आदर्श नायकों को फॉलो करते थे। परन्तु तब यह चयन गहरी समझ और अनुभव के आधार पर होता था। आज की डिजिटल दुनिया में यह चयन अक्सर केवल बाहरी चमकझदमक, लोकप्रियता, दिखावटी लाइफस्टाइल और आकर्षण पर आधारित हो गया है। लाखों की भीड़ किसी व्यक्ति को फॉलो करती है, लेकिन यह नहीं सोचती कि वह व्यक्ति वास्तव में समाज को क्या दे रहा है। क्या उसका जीवन दूसरों के लिए उदाहरण है, या केवल मनोरंजन और व्यर्थ का समय खर्च करने का साधन। यही सबसे बड़ा प्रश्न है जिस पर हर व्यक्ति को विचार करना चाहिए।

हमारे शहीदों और महापुरुषों ने कभी भी लोकप्रियता के लिए त्याग नहीं किया। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ जैसे वीरों ने अपने जीवन का हर क्षण देश के लिए समर्पित किया। उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि उन्हें कितने लोग फॉलो कर रहे हैं, बल्कि उनका ध्यान केवल इस पर था कि उनकी प्रेरणा से कितने लोग सही मार्ग पर चलें। उनके आदर्श ही असली प्रेरणा हैं जिन्हें हमें फॉलो करना चाहिए।

आज सोशल मीडिया पर सितारे अपनी फिल्मों, फैशन या जीवनशैली से करोड़ों फॉलोवर बटोरते हैं। मगर क्या उनकी चमक हमारे जीवन की अंधेरियों को मिटा सकती है? क्या उनकी जीवनशैली को फॉलो करना हमारे लिए व्यावहारिक है? क्या उनका दिखाया गया रास्ता हमारे भविष्य को सुरक्षित कर सकता है? शायद नहीं। क्योंकि जो व्यक्ति अपने जीवन में आराम, विलासिता और दिखावे को ही सर्वोपरि मानता है, वह आम आदमी के संघर्षों को कभी समझ ही नहीं सकता। उनके संदेश हमारे जीवन को दिशा नहीं दे सकते, केवल मनोरंजन भर कर सकते हैं।

इसके उलट हमारी संस्कृति हजारों वर्षों से हमें सिखाती रही है कि असली आदर्श वही है जो हमारे जीवन को उपयोगी दिशा दे। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के हर संघर्ष में हमें प्रेरणा देता है। उपनिषद हमें ज्ञान की ओर ले जाते हैं, विवेकानंद हमें आत्मविश्वास देते हैं, गांधी हमें सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं, डॉ. भीमराव अंबेडकर हमें समानता और अधिकारों का बोध कराते हैं। यह सभी व्यक्तित्व ऐसे हैं जिनका अनुसरण करना न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे समाज के लिए लाभकारी है।

सोचने की बात यह है कि हम किसे अपना नायक बना रहे हैं। एक फर्जी लाइफस्टाइल दिखाने वाला सेलिब्रिटी या अपने प्राण न्यौछावर कर देने वाला शहीद? वह व्यक्ति जो केवल मनोरंजन करता है या वह महापुरुष जो हमारी आत्मा को झकझोरता है और हमें कर्मठ, साहसी और जागरूक बनाता है।

फॉलो करना केवल बटन दबाने का नाम नहीं है। फॉलो करना मतलब है किसी की सोच, उसके विचारों और उसके जीवन को अपने जीवन का हिस्सा बनाना। अगर हम किसी ऐसे व्यक्ति को फॉलो करते हैं जिसकी जीवनशैली खोखली है, तो हम भी धीरे-धीरे उसी खोखलेपन का हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन अगर हम किसी महान व्यक्तित्व को फॉलो करते हैं, तो हमारे जीवन में भी उनकी महानता की झलक दिखाई देने लगती है। आज के समय में युवाओं के लिए यह सबसे बड़ा चैलेंज है कि वे किसे अपना आदर्श मानें। दुनिया दिखावे की ओर भाग रही है, परन्तु हमें यह तय करना है कि हम दिखावे के पीछे भागेंगे या असली मूल्यों को अपनाएँगे। हमें यह समझना होगा कि असली स्टार वही है जो हमारे अंधेरों में रोशनी लेकर आए, न कि वह जो केवल चमकते मंच पर रोशनी में दिखे।

जब हम भारतीय शहीदों और संस्कृति को फॉलो करते हैं, तो हम न केवल अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, बल्कि भविष्य को भी सुरक्षित बनाते हैं। संस्कृति हमें सिखाती है कि जीवन का लक्ष्य केवल भोग नहीं बल्कि त्याग और सेवा है। शहीद हमें सिखाते हैं कि राष्ट्रहित से बड़ा कोई धर्म नहीं। इनसे प्रेरणा लेने का अर्थ है अपने जीवन को सार्थक दिशा देना।

याद रखिए, भीड़ हमेशा सही दिशा में नहीं जाती। कभी-कभी भीड़ अंधेरे में भी दौड़ती है। समझदार वही है जो सोचकर तय करे कि उसे किस दिशा में जाना है। अगर करोड़ों लोग किसी को फॉलो कर रहे हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह व्यक्ति महान है। महान वही है जो बिना फॉलोवर के भी अपने जीवन से दूसरों को प्रेरणा देता है।

इसलिए आज आवश्यकता है कि हम अपने चयन पर गंभीरता से विचार करें। किसी को फॉलो करने से पहले यह प्रश्न अवश्य पूछें कि क्या यह व्यक्ति मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है? क्या इसकी प्रेरणा मेरे समाज और देश के लिए उपयोगी है? क्या इसकी दिशा मुझे आगे बढ़ने में मदद करेगी? अगर उत्तर हाँ है, तो निःसंकोच उसे फॉलो करें। और यदि उत्तर नहीं है, तो भले ही उसके लाखोंझकरोड़ों फॉलोवर हों, हमें साहसपूर्वक उसे अनदेखा करना चाहिए।

ग्रामीण विकास को गति देती पंचायतें

विजय गर्ग

भारत में पंचायत को सुशासन की दृष्टि से देखें, तो लोक सशक्तीकरण इसकी पूर्णता है और लोक विकेंद्रीकरण की नजर से देखें, तो यह एक ग्रामीण स्वशासन की परिपाटी की पूर्ति है जो ग्रामीण विकास के लिए कहीं अधिक जरूरी है। इतना ही नहीं यह गांधी के ग्राम- स्वराज के सपने को भी बल देता है। सुशासन शांति और खुशहाली का परिचायक है। जबकि पंचायत एक ऐसी संस्था है जो ग्रामीण स्वराज को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में 6.65 लाख गांव हैं, जिनमें 2.68 लाख ग्राम पंचायतें और ग्रामीण स्थानीय निकाय हैं, जो देश के ग्रामीण परिदृश्य का आधार हैं। पंचायतें ग्रामीण विकास को गति दे ही रही हैं, आम आदमी की भी ताकत बन रही हैं।

केंद्रीय बजट 2025-26 में ग्रामीण विकास को रफ्तार देने और केंद्रित कार्यक्रमों तथा निवेशों के जरिए समृद्धि बढ़ाने के उद्देश्य से कई प्रमुख पहल की गई। मसलन वर्ष 2028 तक के लिए जीवन मिशन, ब्राडबैंड सुविधा, जिसका लक्ष्य यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक इंटरनेट पहुंच उपलब्ध हो तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाया जाए। इसके अतिरिक्त भारतीय डाक उद्यमियों, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम यानी एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों का समर्थन करने वाले एक प्रमुख सार्वजनिक लाजिस्टिक्स संगठन के रूप में विकसित करना भी लक्ष्य है। ग्रामीण समृद्धि एवं अनुकूलन कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, युवा किसानों, हाशिए पर पड़े समुदायों और भूमिहीन परिवारों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

पंचायत लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का परिचायक है और सामुदायिक विकास कार्यक्रम इसकी नींव है। पंचायत जैसी संस्था की बनावट कई प्रयोगों और अनुप्रयोगों का भी नतीजा है। सामुदायिक विकास कार्यक्रम का विफल होना और इसके बाद बलवंत राय मेहता समिति का गठन फिर वर्ष 1957 में उसी की रपट पर इसका मूर्त रूप लेना देखा जा सकता है। गौरतलब है कि जिस पंचायत को राजनीति से परे और नीति उन्मुख सजग प्रहरी की भूमिका में समस्या दूर करने का एक माध्यम माना जाता है, आज वही कई समस्याओं से जकड़ी हुई है। जिस पंचायत ने सबसे नीचे के लोकतंत्र को कंधा दिया हुआ है, वही कई जंजालों से मुक्त नहीं है, चाहे वित्तीय संकट हो या उचित नियोजन की कमी या फिर अशिक्षा, रूढ़िवादिता तथा पुरुष वर्चस्व के के साथ जाति और ऊंच-नीच के पूर्वाग्रह ही क्यों न हों। यह समस्या पिछले तीन दशकों में घटी तो है और इसी पंचायत यह सिद्ध भी किया है कि उसका कोई विकल्प नहीं है।

पंचायत की व्याख्या में क्षेत्र विशेष में शासन करने का विशिष्ट अधिकार निहित है। इसी अधिकार से उन दायित्वों की पूर्ति होती है जो ग्रामीण प्रशासन के अंतर्गत स्वशासन का बहाव भरता है और ग्रामीण बदलाव की गाढ़ी रेखा खींचता है। वर्ष 1997 का नागरिक घोषणापत्र सुशासन का ही शिखर था और 2005 में सूचना का अधिकार इसी का अगला अध्याय इतना ही नहीं वर्ष 2006 की ई-गवर्नेंस योजना भी सुशासन की रूपरेखा को ही विस्तृत नहीं करती, बल्कि इनसे पंचायत को भी ताकत मिलती है। वर्ष 1992 में सुशासन की अवधारणा सबसे पहले ब्रिटेन में सामने आई थी। वर्ष 1991 में उदारीकरण के बाद इसकी पहल भारत में भी देखी गई। सुशासन के इसी वर्ष में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक स्वरूप दिया जा रहा था। संविधान के 73वें संशोधन में जब इसे संवैधानिक स्वरूप दिया गया, तब वर्ष 1959 से राजस्थान के नागौर से यात्रा कर रही यह पंचायत रूपी संस्था नए आभामंडल से युक्त हो गई। वर्ष 1992 में हुए इस संशोधन को 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया। स्वशासन के संस्थान के रूप में इसकी व्याख्या दो तरीके से की जा सकती है। पहला संविधान में इसे सुशासन के रूप में निरूपित किया गया है, जिसका सीधा मतलब स्वायत्तता और क्षेत्र विशेष में शासन करने का पूर्ण अधिकार है। दूसरा यह प्रशासनिक संघीयकरण को मजबूत करता है। गौरतलब है कि संविधान के इसी संशोधन में गांधी के ग्राम स्वराज को पूरा किया, मगर क्या यह बात भी पूरी शिद्दत से कही जा सकती है कि स्वतंत्र भारत की अति महत्त्वाकांक्षी संस्था स्थानीय स्वशासन से परिपूर्ण है। पंचायतों में एक तिहाई महिलाओं का आरक्षण इसी संशोधन के साथ सुनिश्चित कर दिया गया था जो मौजूदा समय में पचास फीसद तक है। देखा जाए तो तीन दशक से अधिक पुरानी संवैधानिक पंचायती राज व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। राजनीतिक माहौल में सहभागी महिला प्रतिनिधियों के प्रति रूढ़िवादी सोच में अच्छा खासा बदलाव हुआ, जिसके परिणामस्वरूप वे भय, संकोच और घबराहट को दूर करने में कामयाब भी रही हैं। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का ही परिणाम है कि पंचायतों की प्रतिष्ठा बढ़ी है। महिलाओं की भागीदारी भी सामने आ रही है। मगर राजनीतिक माहौल में अपराधीकरण, बाहुबल, जातिवाद और ऊंच-नीच आदि दुगुर्णों से पंचायतें मुक्त नहीं है। समानता पर आधारित सामाजिक संरचना का गठन भी शासन की एक कड़ी है। इसका लक्ष्य ऐसे समाज का निर्माण करना जहां शोषण और सुशासन का प्रभाव हो, जिससे पंचायत में पारदर्शिता को बढ़ावा मिल सके।

अमेरिका ने इक्वाडोर के दो गिरोहों को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया: रुबियो

एजेंसी

क्विटो (इक्वाडोर)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इक्वाडोर के दो कुख्यात गिरोहों 'लॉस लोबोस' और 'लॉस चोनेरोस' को विदेशी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल कर लिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन की ओर से ड्रग कार्टेल्स और आपराधिक गिरोहों पर सख्ती की नई कड़ी माना जा रहा है। रुबियो इक्वाडोर की राजधानी क्विटो पहुंचे, जहां उन्होंने नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका और इक्वाडोर की सरकारों को इन गिरोहों पर मिलकर कार्रवाई करने के नए विकल्प देगा, जिनमें इनके नेताओं को मार गिराना, अमेरिका में इनकी संपत्तियों और बैंक खातों पर कार्रवाई करना और खुफिया जानकारी साझा करना शामिल है। उन्होंने इन गिरोहों को 'दरिंदे, आतंकवादी' बताते हुए कहा, 'अब हम सिर्फ नावों पर ड्रग डीलरों को पकड़ने की कोशिश नहीं करेंगे, बल्कि राष्ट्रपति (ट्रंप) ने युद्ध छेड़ने की बात कही है क्योंकि ये गिरोह 30 साल से हम पर युद्ध कर रहे हैं और अब तक किसी ने जवाब नहीं दिया। इस घोषणा से पहले अमेरिकी सेना ने हाल ही में वेनेजुएला के गिरोह 'ट्रेन डे अरागुआ' के कथित ड्रग-तस्करों के जहाज पर हमला कर 11 लोगों को मार गिराया था।

इटैलियन फैशन डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का 91 वर्ष की उम्र में निधन

मिलान। विश्व फैशन जगत के दिग्गज इटैलियन डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। अरमानी ग्रुप ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'इल सिग्नोर अरमानी, जिन्हें कि उन्हें हमेशा सम्मानपूर्वक पुकारा जाता था, अपने प्रियजनों के बीच शांतिपूर्वक इस दुनिया को अलविदा कह गए। वे हमारे लिए एक अटूट प्रेरणास्रोत थे।' अरमानी ने अपने डिजाइन्स के जरिए न केवल इटली की पहचान बनाई बल्कि हॉलीवुड की रेड कारपेट संस्कृति को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी खासियत थी कि सादगी और एलिगेंस को मिलाकर क्लासिक अंदाज पेश करना। 1980 में फिल्म 'अमेरिकन गिगोलो' में अभिनेता रिचर्ड गेर द्वारा पहने गए अरमानी सूट ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाई।

ट्रंप ने जेलेंस्की से बातचीत में कहा- यूरोप रूसी तेल की खरीद बंद करे, चीन पर भी दबाव डाले

वॉशिंगटन/कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई फोन कॉल में कहा कि यूरोप को तुरंत रूसी तेल की खरीद बंद करनी चाहिए और चीन पर भी आर्थिक दबाव डालना चाहिए। यह जानकारी एक व्हाइट हाउस अधिकारी ने दी। अधिकारी के अनुसार, यह बातचीत 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के तहत हुई, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अन्य यूरोपीय नेता शामिल थे। इसी दौरान मैक्रों और यूरोपीय नेताओं ने ट्रंप को कॉल में जोड़ा। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि रूस को युद्ध के लिए धन यूरोप से मिल रहे तेल-राजस्व से मिल रहा है, जो सिर्फ पिछले एक साल में 1.1 अरब यूरो तक पहुंच गया। ट्रंप ने इस कॉल में यह भी कहा कि यूरोप को चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ाना होगा, क्योंकि बीजिंग रूस को अप्रत्यक्ष रूप से सहारा दे रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर पुतिन शांति की दिशा में कदम नहीं उठाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को 'कड़े कदम' उठाने होंगे। वहीं, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भी कहा कि ट्रंप ने अमेरिका और यूरोप को मिलकर रूस पर नए प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया, जिसमें खास तौर पर तेल और गैस को निशाना बनाने की बात शामिल है। स्टब ने बताया कि ट्रंप का जोर इस बात पर था कि हम संयुक्त रूप से कदम उठाकर रूस की 'वार मशीन' को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा।

यूरोपीय नेताओं और जेलेंस्की के पेरिस में एकत्र होने पर रूस ने चेतावनी दी

पेरिस। रूस ने आज पुनः चेतावनी दी है कि मॉस्को भविष्य के शांति समझौते में यूक्रेन में किसी भी पश्चिमी सैनिक की मौजूदगी को स्वीकार नहीं करेगा। रूस की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की फ्रांस में शीर्ष यूरोपीय नेताओं के एक समूह से मिल रहे हैं। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, रूस किसी भी रूप में यूक्रेन में अस्वीकार्य विदेशी हस्तक्षेप पर चर्चा करने का इरादा नहीं रखता है। उन्होंने कहा, पश्चिमी युद्ध भड़काने वाले यूक्रेन को अपने सैन्य विकास के लिए एक परीक्षण स्थल के रूप में देखते हैं। मॉस्को ने फरवरी 2022 में शुरू हुए अपने पड़ोसी देश पर रूस के पूर्ण आक्रमण को समाप्त करने के समझौते के तहत यूक्रेन में किसी भी स्तर पर पश्चिमी सैनिकों की तैनाती के प्रस्तावों को अनेक बार खारिज किया है। इसके बावजूद नाटो नेताओं और यूक्रेन सरकार शांति प्रस्ताव के तहत विदेशी सैनिकों की तैनाती की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं। यूक्रेन का कहना है कि यह किसी भी अमेरिकी मध्यस्थता वाले शांति समझौते को सुगम बनाने के लिए आवश्यक सुरक्षा गारंटी का एक हिस्सा है। जखारोवा ने कहा कि जिन सुरक्षा उपायों पर चर्चा हो रही है, वे यूक्रेन के लिए सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं, बल्कि वे यूरोपीय महाद्वीप के लिए खतरे की गारंटी हैं।जेलेंस्की के पेरिस पहुंचने के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय के अनुसार, मैक्रों व अन्य नेता पूर्वी समयानुसार सुबह लगभग 8 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से वर्चुअली बातचीत करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की वैधता पर फैसला देने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से अपील की

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से निचली अदालत के उस फैसले को तुरंत पलटने का अनुरोध किया है, जिसमें उनके कई व्यापक टैरिफ को अवैध पाया गया है। यह याचिका शुक्रवार को अमेरिकी संघीय सर्किट अपील न्यायालय द्वारा 7-4 मतों से दिए गए उस फैसले के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के माध्यम से लगभग सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लागू करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया था। इसमें कहा गया था कि उनका यह कदम राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता और टैरिफ लगाना कांग्रेस की एक प्रमुख शक्ति है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मई की शुरुआत में न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने टैरिफ को गैरकानूनी घोषित किया था। ट्रंप

प्रशासन द्वारा दायर दस्तावेजों में कहा गया है कि जून 2026 तक फैसले में देरी करने से ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें 750 अरब से एक ट्रिलियन डॉलर तक के टैरिफ पहले ही वसूले जा चुके होंगे, और उन्हें वापस लेने से महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉयर ने बुधवार रात दायर दस्तावेज में कहा, इस मामले में दांव इससे ज्यादा नहीं हो सकता।अमेरिकी व्यवसायों ने 24 अगस्त तक अमेरिकी अदालतों द्वारा अवैध माने गए टैरिफ को कवर करने के लिए 210 अरब डॉलर से अधिक का भुगतान किया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अगर सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को बरकरार रखता है, तो अमेरिकी वित्त मंत्रालय को एकत्रित टैरिफ राजस्व वापस करना पड़ सकता है। ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम का इस्तेमाल व्यापारिक साझेदारों पर भारी शुल्क लगाने के लिए किया, अप्रैल में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की और तर्क दिया कि व्यापार असंतुलन ने घरेलू विनिर्माण को नुकसान पहुंचाया है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। फिर भी, अपील अदालत ने अपने फैसले को 14 अक्टूबर तक प्रभावी होने से रोक दिया, जिससे ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का समय मिल गया।

नेपाल में सभी इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने बंद की सोशल मीडिया साइट्स

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार के आदेश पर देश के सभी मोबाइल और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने सभी सोशल मीडिया साइट्स को बंद कर दिया है। देश में रजिस्टर्ड न होने वाली सोशल मीडिया साइट्स अब नेपाल में नहीं चल रही हैं। नेपाल सरकार ने एक आदेश जारी करते हुए नेपाल में रजिस्टर्ड नहीं होने वाले सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। सरकार के इस निर्देश के बाद नेपाल की सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोशिएसन ने सोशल मीडिया साइट्स बंद कर दिया है। अब नेपाल में फेसबुक, मैसेंजर, वाट्सएप, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित 26 सोशल मीडिया साइट्स बंद हो गई हैं। सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स कंपनियों ने अलग-अलग बयान जारी करके सरकार के निर्देश पर इन 26 सोशल मीडिया साइट्स को बंद किए जाने की जानकारी दी है। इसी बीच सरकार के सूचना तथा संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे सोशल मीडिया साइट्स की पैरेंट कंपनी मेटा ने नेपाल सरकार से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया है। ठाकुर ने बताया कि मेटा के सिंगापुर दफ्तर से मंत्रालय में फोन करके कंपनी रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज की मांग की है।

अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को देगी जन्म, जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेताया

एजेंसी

ढाका। प्रतिष्ठित जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को जन्म देगी। साथ ही मुट्ठी भर लोगों के एक समूह को अंतहीन मुनाफा कमाने का अवसर भी प्रदान करेगी। यही नहीं इस परियोजना से लोगों, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों को भी नुकसान पहुंच सकता है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, परियोजना सामग्री, व्यवहार्यता अध्ययन और समाचारों को आधार बनाकर विशेषज्ञों ने इसके संभावित पहलुओं का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला है कि यह न तो तकनीकी रूप से सही है, न ही वैज्ञानिक रूप से सही और न ही पर्यावरणीय रूप से उचित। विशेषज्ञों को आशंका है कि जिन संकटों के कारण इस परियोजना को शुरू से ही लागू करना जरूरी था, जैसे कि अचानक बाढ़, नदी तट का कटाव और कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी, वे और भी बदतर हो जाएंगे। पेंसिल्वेनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में भू-विज्ञान पढ़ाने वाले मोहम्मद खलीकुज्जमां ने कहा, यह परियोजना बांग्लादेश को तीस्ता नदी की निरंतर तलकर्षण और उसके तटों की निरंतर मरम्मत और रखरखाव जैसी जरूरतों से रूबरू कराएगी। उन्होंने कहा, इससे ठेकेदारों, प्रबंधकों, राजनेताओं और चीन की सरकार को लाभ होगा।

उल्लेखीय है कि चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना से पर्याप्त ऋण और तकनीकी सहायता आकार लेने वाली तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना का उद्देश्य 114 किलोमीटर लंबे तटबंध बनाकर और इसकी चौड़ाई को अधिकतम एक किलोमीटर तक करना है। नदी की वर्तमान औसत चौड़ाई तीन किलोमीटर है। इस परियोजना का उद्देश्य 170 वर्ग किलोमीटर भूमि को पुनः प्राप्त करना, बाढ़ और नदी तट के कटाव को नियंत्रित करना और नौवहन एवं सिंचाई को बढ़ाना है। साथ ही एक नहर भी बनाई जाएगी। नदी के किनारों पर 100 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक तटबंध बनाए जाएंगे।

विशेषज्ञों का तर्क है कि बांग्लादेश में चाहे जितने जतन किए जाएं तीस्ता की मुख्य समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी की समस्या खत्म नहीं होगी। पूर्वी हिमालय से सफर शुरू करने वाली तीस्ता नदी के जलग्रहण क्षेत्र का लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पूरे जलग्रहण क्षेत्र का 17 प्रतिशत है और यह बांग्लादेश के अधीन है। अवरोधों, बैराज और ऊपरी भारतीय राज्यों सिक्किम और पश्चिम बंगाल में पानी की निकासी के कारण पिछले दशकों में तीस्ता में प्रवाह और तलछट जमाव क्रमशः 60 बीसीएम और 49 मीट्रिक टन से घटकर 25 बीसीएम और तीन मीट्रिक टन रह गया है।

बांग्लादेश में डेढ़ लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा चुनाव का प्रशिक्षण

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)। अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव के मद्देनजर डेढ़ लाख (1,50,000) से ज्यादा पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका मकसद निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराना है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) काजी जियाउद्दीन का कहना है, हम स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण राष्ट्रीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसकी सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, डीआईजी काजी ने कहा कि 1,50,000 या उससे अधिक पुलिसकर्मियों को सभी जरूरी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में तैनात और मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के मानव संसाधन (एचआर) विकास का प्रभार संभाल रहे जियाउद्दीन ने कहा कि पिछले तीन महीनों में चुनाव विशेषज्ञों और वकीलों के सुझावों को शामिल करते हुए नौ प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के दे में

130 छोटे और चार बड़े प्रशिक्षण केंद्र हैं। चुनाव ड्यूटी में हिस्सा लेने वाले सभी पुलिसकर्मियों को इन्हीं केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। 31 अगस्त से तीन सितंबर तक ढाका स्थित पुलिस मुख्यालय में इन मॉड्यूल के तहत 150 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। आने वाले दिनों में देश भर के 19 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में 1,292 मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने की योजना बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय इस सप्ताह के अंत में राजारबाग पुलिस लाइन में प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर एक औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित करेगा।

अफगानिस्तान में फिर लगे भूकंप के तेज झटके, राहत और बचाव कार्य जारी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में एक बार फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया है। इसका केंद्र नांगरहार प्रांत की राजधानी जलालाबाद से 14 किलोमीटर पूर्व में था। यह जानकारी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, आए भूकंप का केंद्र 34.72 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.79 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी। यह ताजा भूकंप हाल के दिनों में नांगरहार और पड़ोसी कुनार, लघमन और नूरिस्तान प्रांतों में आए भूकंपों की एक सीरीज के बाद आया है। सबसे विनाशकारी, 6.0 तीव्रता का भूकंप रविवार देर रात आया, जिससे व्यापक विनाश और जान-माल का भारी नुकसान हुआ। आधिकारिक रिपोर्टों में 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत और 3,600 से ज्यादा लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। अभी भी

प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान जारी है। ताजा भूकंप के बाद इलाके को हाई अलर्ट पर रखा गया है। वहीं, अधिकारी और सहायता संगठन बढ़ते संकट से जूझ रहे हैं। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मरने वालों की संख्या कम से कम 800 हो गई है और 2,500 से ज्यादा घायल हुए हैं। ज्यादातर हताहत कुनार में हुए हैं। अफगानिस्तान में इमारतें आमतौर पर कम ऊंचाई वाली होती हैं। इनमें से ज्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी होती हैं, ग्रामीण और बाहरी इलाकों में घर मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने होते हैं। कई घरों का निर्माण तय मानकों के अनुसार नहीं किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने कहा कि भूकंप ने अफगानिस्तान में मौजूदा मानवीय चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से राहत कार्यों में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इससे सूखे और पड़ोसी देशों से लाखों अफगानों की जबरन वापसी जैसी अन्य चुनौतियों में मौत और विनाश भी शामिल हो गया है। उम्मीद है कि दान करने वाले राहत कार्यों में सहयोग करने में संकोच नहीं करेंगे। इसके पहले 31 अगस्त को आए भूकंप से अफगानिस्तान में भी काफी तबाही मची थी। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, यह 6.0 तीव्रता का भूकंप 31 अगस्त की रात 11:47 बजे स्थानीय समय पर, आठ किलोमीटर की गहराई पर आया था।

अमेरिकी न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका के न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ धोखाधड़ी (आपराधिक) की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच में कौन से अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय शामिल हैं। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, कुक ने पहले अपने खुलासे में बताया था कि उनके जॉर्जिया, मैसाचुसेट्स और मिशिगन में घर हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संघीय अभियोजकों ने समन जारी करना शुरू कर दिया है। इसलिए अनुमान है कि इन्हीं क्षेत्रों के कार्यालय जांच में शामिल होंगेद न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इससे पहले फ़ेडरल हाउसिंग फ़ाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के कार्यालय ने कुक के खिलाफ जांच कराई थी। इसमें साफ हुआ कि कुक ने एक मामले में अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए बैंक दस्तावेजों में हेराफेरी की। इसके बाद पुल्टे ने इस मामले को आपराधिक जांच के लिए न्याय विभाग को भेजा। इससे पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह लिसा कुक को फ़ेडरल रिज़र्व से बाहर कर देंगे। कुछ दिन पहले खबर आई कि कुक को बर्खास्त कर दिया गया। कुक ने प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनके वकीलों ने उनकी संभावित बर्खास्तगी को फ़ेडरल रिज़र्व की पारंपरिक स्वतंत्रता को कमजोर करने की एक अवैध कोशिश बताया। एक बयान में कुक का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एब्बे डी. लोवेल ने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन अपने अतिक्रमण के लिए नए औचित्य गढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने न्याय विभाग को अमेरिकी इतिहास में शायद सबसे अधिक राजनीतिकरण वाला विभाग बताया। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

126 देश यूक्रेन में युद्धविराम लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं : इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि 26 देश औपचारिक रूप से यूक्रेन में युद्धविराम लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बोलते हुए कहा कि ये देश एक आश्वासन बल' में योगदान देंगे, जो यूक्रेन में सैनिकों को तैनात कर सकता है या जमीन, समुद्र या हवा में सहायता प्रदान कर सकता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इमैनुएल मैक्रों ने आगे कहा कि शिखर सम्मेलन के बाद प्रतिभागियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की और आने वाले दिनों में अमेरिका द्वारा सुरक्षा गारंटी में अपने योगदान को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिया था कि अमेरिकी सपोर्ट संभवतः हवाई समर्थन के रूप में मिल सकता है, और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी नेता से 'यूक्रेन के हवाई क्षेत्र की अधिकतम सुरक्षा' के बारे में बात की है। 'स्वैच्छिक गठबंधन' नामक 35 देशों के शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी समर्थन को अंतिम रूप दिया जाएगा।

जेलेंस्की ने इस घोषणा का स्वागत एक 'ठोस' कदम बताते हुए किया और जोर देकर कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय या त्रिपक्षीय बैठक शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है। यह घोषणा गठबंधन की एक वर्चुअल बैठक के बाद हुई, जिसकी सह-अध्यक्षता मैक्रों और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने की। लगभग 30 देशों, जिनमें ज्यादातर यूरोपीय देश शामिल हैं, को एक साथ लाने वाले इस समूह ने यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

वेनेजुएला के दो सैन्य विमान अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरे, पेंटागन ने भड़काऊ कदम माना

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। वेनेजुएला के दो सैन्य विमानों के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरने की घटना को पेंटागन ने गंभीरता से लिया है। पेंटागन इसे बेहद भड़काऊ कदम माना है। गुरुवार रात एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में रक्षा विभाग ने लिखा कि यह कदम हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में बाधा डालने के लिए उठाया गया।

एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ने यह जानकारी देते हुए बयान में वेनेजुएला के कार्टेल को सख्त सलाह दी है कि वह अमेरिकी सेना के मादक पदार्थों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने का प्रयास न करे। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना ने हाल ही में कैरिबियन और प्रशांत महासागर में आठ जहाज तैनात किए हैं। इस घटनाक्रम पर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में विस्तार से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में रक्षा विभाग के अनेक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि वेनेजुएला के दो सशस्त्र एफ-16 लड़ाकू विमानों ने यूएसएस जेसन डनहम (युद्धपोत) के ऊपर से उड़ान भरी। कार्टेल ने एक तरह से शक्ति प्रदर्शन किया। हाल ही में अमेरिकी नौसेना के जहाजों को वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में भेजा गया है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने ड्रग कार्टेल पर नकेल कसने का संकल्प लिया है। इस वजह से ट्रंप और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के बीच तनाव बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रग कार्टेल के साथ गठजोड़ करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी ने हाल ही में मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि को दोगुना करके 5 करोड़ डॉलर कर दिया है। उधर, वेनेजुएला सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया है।मादुरो ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी युद्धपोतों को आपराधिक और खतरनाक खतरा बताया था। ट्रंप और विदेशमंत्री मार्को रुबियो के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से ड्रग्स ले जा रही थी एक नाव पर हमला किया था। अमेरिकी सेना ने दावा किया था कि उसने नाव पर सवार 11 लोगों को मार डाला।

अमेरिकी रक्षा विभाग का नाम अब युद्ध विभाग होगा

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग करने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। इस तरह द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद तक विभाग का जो नाम था, उसे बहाल करके सैन्य मिशन को पुनर्गठित करने का ट्रंप का वादा पूरा हो जाएगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, यह कदम, जिसकी कुछ समय से उम्मीद की जा रही थी, युद्ध-लड़ने की क्षमताओं का प्रदर्शन करके एक अधिक आक्रामक छवि पेश करने के अपने लक्ष्यों के अनुरूप सेना को नया रूप देने के ट्रंप के प्रयासों को रेखांकित करता है। ट्रंप उस जागरुकता के बजाय अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहते हैं, जिसके बारे में उन्होंने और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के कार्यकाल में सेना के मनोबल और मिशन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा था। ट्रंप ने सबसे पहले अगस्त में ओवल ऑफिस में यह विचार रखा था और कहा था कि यह बस बेहतर लग रहा है। मुझे लगता है कि हमें उसी पर वापस जाना होगा। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों का हवाला देते हुए पुराने नाम के तहत संघर्षों में देश की जीत के रिकॉर्ड की याद दिलाएगा। इसके अगले महीने, ट्रुथ सोशल पोस्ट में हेगसेथ की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रपति ने उन्हें युद्ध सचिव कहा।

हिज्बुल से द रेजिस्टेंस फ्रंट तक, पाकिस्तान के लोकल टेररिस्ट नैरेटिव की खुली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर मुद्दे को स्थानीय बनाने की कोशिश करता रहा है। पाकिस्तान ने हिजबुल मुजाहिदीन को एक स्थानीय आतंकवादी संगठन के इरादे से बनाया था। हिजबुल मुजाहिदीन के पतन के बाद उसने लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) बनाया। पाकिस्तान कई दशकों से यही चाहता रहा है कि स्थानीय लोग जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल हों। उसकी मंशा इस बात का फायदा उठाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना से बचना था कि स्थानीय लोग कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं और इसमें पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। हालांकि, भारतीय एजेंसियां हमेशा पाकिस्तान के इस झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रही हैं। हाल ही में पहलगाम हमले में भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साफ शब्दों में कहा था कि हमलावर पाकिस्तान से थे और पूरा हमला इस्लामाबाद समर्थित था। अब एक प्रमुख कश्मीरी गैर-सरकारी संगठन, 'सेव यूथ सेव फ्यूचर फाउंडेशन' की एक विस्तृत रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में 60 प्रतिशत अचिह्नित कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 30 प्रतिशत कब्रें स्थानीय आतंकवादियों की हैं। हालांकि, सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि सिर्फ 0.2 प्रतिशत कब्रें (9) नागरिकों की हैं। यह रिपोर्ट दो प्रमुख मुद्दों को सुलझाती है। पहला, कश्मीर में स्थानीय लोगों की तुलना में पाकिस्तानी आतंकी ज्यादा सक्रिय थे। दूसरा, कई लोगों ने नागरिकों की व्यापक हत्याओं के दावों को भी खारिज कर दिया है।

'अनरेवेलिंग द ट्रुथः ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ अनमार्क्ड एंड अनआइडेंटिफाइड ग्रेव्स इन कश्मीर वैली' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2,493 कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं, जबकि 1,208 स्थानीय लोगों की हैं। 9 कब्रें नागरिकों की हैं, जबकि 70 कब्रें 1947 के युद्ध के कबायली हमलावरों की हैं। पाकिस्तान लंबे समय से यह दिखाने का एजेंडा चला रहा है कि स्थानीय लोग ही आतंकवादी हमले कर रहे हैं। उसने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने गुर्गों के जरिए यह कहानी गढ़ने की भी कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में नागरिकों की सामूहिक हत्याएं हो रही हैं। इन लोगों ने यह भी कहा कि नागरिक मारे जा रहे हैं और इसे अज्ञात कब्रों से जोड़ा गया। हालांकि, रिपोर्ट इस मिथक को तोड़ती है।'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का 'फेक नैरेटिव' अपने चरम पर था। प्रथम फील्ड मार्शल ने दावा किया कि भारत ने ही पाकिस्तान से ऑपरेशन रोकने का अनुरोध किया था। पाकिस्तान ने झूठ फैलाने के लिए आधिकारिक चैनलों और सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों में दहशत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की कार्रवाई को लेकर भ्रम पैदा करना था। पाकिस्तान ने भारत में सिखों को नाराज करने की भी कोशिश की, जब उसने झूठा दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान स्थित ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हमला किया था। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि भारत ने अमृतसर पर मिसाइलें दागी थीं। भारत हमेशा से पाकिस्तान के झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रहा है, लेकिन ऐसी रिपोर्टें और एनआईए की हालिया जांच का इस्तेमाल नई दिल्ली के दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए किया जाएगा। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों का कहना है कि जिन कब्रों के बारे में पाकिस्तान झूठ बोल रहा है, उनसे जुड़ी यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने इस्लामाबाद को बेनकाब करने में मददगार साबित होगी।

डॉलर की तुलना में 8 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा स्टॉक मार्केट में लगातार की जा रही बिकवाली और डॉलर के मजबूत होने के बाद भारतीय मुद्रा आज एक बार फिर दबाव में आ गई। डॉलर की मजबूती के कारण मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल की वजह से लगातार तीन दिन की मजबूती के बाद रुपया आज डॉलर की तुलना में कमजोरी के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 8 पैसे फिसल कर 88.16 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 88.08 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मामूली मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 1 पैसे की सांकेतिक बढ़त के साथ 88.07 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया 9 पैसे की मजबूती के साथ 87.99 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया ऊपरी स्तर से 20 पैसा फिसल कर 11 पैसे की कमजोरी के साथ 88.19 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 8 पैसे की गिरावट के साथ 88.16 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

जीएसटी सुधार परिवर्तनकारी, सुधारों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए उद्योग : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताते हुए उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से करीब सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी और देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां भारत न्यूट्रास्युटिकल्स एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने कहा कि न्यूट्रास्युटिकल्स उद्योग कल घोषित जीएसटी में परिवर्तनकारी बदलावों के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोग मांग में जबरदस्त और अभूतपूर्व वृद्धि होगी। गोयल ने कहा कि उद्योग अब बिक्री की मात्रा में और वृद्धि की आकांक्षा कर सकता है, जिससे सभी के लिए लाभप्रद स्थिति बनेगी। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवसायों को नए अवसरों का लाभ मिलेगा, जबकि जीएसटी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। उन्होंने उद्योग जगत से 'मेड इन इंडिया' को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि जीएसटी में कमी से उपभोक्ता को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में की गई कई पहल के फलस्वरूप कल जीएसटी परिषद में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया वह परिवर्तनकारी है।

स्टॉक मार्केट में ओवल प्रोजेक्ट्स की सपाट एंट्री, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन, अर्बन डेवलपमेंट और एनर्जी सेक्टर्स में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम करने वाली कंपनी ओवल प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 0.29 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 85.25 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई मामूली लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 86 रुपये के स्तर तक पहुंचे, लेकिन इसके बाद इनकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद ओवल प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग के शेयर 10 पैसे की सांकेतिक बढ़त के साथ 85.10 रुपये के स्तर पर बंद हुए। ओवल प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग का 46.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 अगस्त से 01 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.61 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इसमें सिर्फ क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन ही पूरा भर सका था, जबकि दूसरे वर्गों में पूरा सब्सक्रिप्शन भी नहीं आ सका था।

कैट ने जीएसटी में सुधारों और कर दरों के पुनर्गठन को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी करार दिया

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों और कर दरों के पुनर्गठन को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी करार दिया है। कैट के अनुसार इन सुधारों से छोटे व्यापारियों, उपभोक्ताओं और भारत की अर्थव्यवस्था को न केवल लाभ मिलेगा, बल्कि यह कदम उपभोग में भारी वृद्धि कर देश की आर्थिक गतिविधियों तथा व्यापार को नई गति देगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने जीएसटी दरों में ऐतिहासिक बदलाव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देशभर के व्यापारियों की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 400 से अधिक वस्तुओं पर टैक्स घटाने और सुधारों से आम आदमी को रोजमर्रा के खर्चे में बड़ी राहत मिलेगी, जिससे कर की व्यवस्था भी चुस्त दुरुस्त होगी। खंडेलवाल ने कहा कि यह वास्तव में प्रधानमंत्री की तरफ से देश को बड़ा दिवाली उपहार है। खंडेलवाल ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आगामी त्योहारी सीजन में खपत में 7-8 फीसदी की बढ़ोतरी होगी।

जीएसटी सुधारों से सरकार को 3,700 करोड़ रुपये राजस्व का होगा नुकसानः एसबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी के जरिए जीएसटी में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। दूसरी तरफ केंद्र सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव सालाना आधार पर 48 हजार करोड़ रुपये होगा। स्टेट बैंक ने जारी अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से लागत दक्षता में सार्थक सुधार के कारण बैंकिंग क्षेत्र पर काफी हद तक

सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रभावी भारित औसत दर भी इसके 2017 में लागू होने के समय 14.4 फीसदी से घटकर 9.5 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक चूंकि आवश्यक वस्तुओं (लगभग 295) की जीएसटी दर युक्तिकरण 12 फीसदी से घटकर पांच फीसदी या शून्य हो गई है। इसलिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इस श्रेणी में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर यानी मुद्रास्फीति भी 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति अगामी वित्त वर्ष 2026-27 तक 0.65 फीसदी से 0.75 फीसदी अंकों के बीच नियंत्रित रह सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में इसी हफ्ते जीएसटी के मौजूदा चार स्तरीय ढांचे को बदलकर दो स्तरीय कर दिया गया है। जीएसटी के नए स?लैब में अब 18 फीसदी एवं पांच फीसदी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 फीसदी की दर शामिल है। नई दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू सर्राफा बाजार में आज नरमी नजर आ रही है। सोने की कीमत में आज 900 रुपये से लेकर 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोने की तरह चांदी भी आज 1,400 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,05,920 रुपये से लेकर 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 97,050 रुपये से लेकर 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,25,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,05,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने को केंद्र ने आईसीआईसीआई बैंक के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के स्टार्टअप्स को नई उड़ान देने के लिए केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और आईसीआईसीआई बैंक ने मिलकर एक समझौता किया है। इसके तहत स्टार्टअप्स को फंडिंग, मेंटरशिप और पायलट प्रोजेक्ट्स के मौके मिलेंगे। यह साझेदारी स्टार्टअप्स को उनके बिजनेस को तेजी से बढ़ाने में मदद करेगी।

मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते के बाद आईसीआईसीआई बैंक एक खास स्टार्टअप प्रोग्राम शुरू करेगा, जो स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर उपलब्ध होगा। इस प्रोग्राम से स्टार्टअप्स को तेजी से बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी, जहां वे वर्कस्पेस, इंडस्ट्री लीडर्स से मेंटरशिप और अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट्स भी तेजी से कर पाएंगे। साथ ही स्टार्टअप्स वेंचर कैपिटल फर्मों, निवेशकों और ग्राहकों से जुड़ सकेंगे। स्टार्टअप्स को इंडस्ट्री-विशिष्ट वर्कशॉप्स और इनोवेशन शोकेस में हिस्सा लेने का मौका भी मिलेगा, जिससे उनका नेटवर्क और

वाणिज्य एवं
उद्योग मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMERCE
AND INDUSTRY
सत्यमेव जयते

बिजनेस बढ़ेगा। डीपीआईआईटी इस प्रोग्राम को स्टार्टअप इंडिया की पहुंच और नई पहलों के साथ भी जोड़ेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स को इसका फायदा हो। यह साझेदारी शुरुआती और ग्रोथ-स्टेज स्टार्टअप्स को बिजनेस ग्रोथ, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और ऑपरेशनल विस्तार के लिए एक रोडमैप देगी। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह साझेदारी स्टार्टअप्स के लिए नए रास्ते खोलेगी और तकनीक व इनोवेशन के जरिए भारत के औद्योगिक व वित्तीय क्षेत्र को बदलने में मदद करेगी। आईसीआईसीआई बैंक की कुल संपत्ति 30 जून, 2025 तक 21 लाख 23 हजार 8 सौ 39 करोड़ थी। यह साझेदारी स्टार्टअप इंडिया की पहल को और मजबूत करेगी।

स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत के बाद सुग्स लॉयड के शेयरों पर लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी सुग्स लॉयड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करने के बाद मजबूती दिखा कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 123 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.52 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 119.90 रुपये के स्तर पर ही हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर उछल कर 125.85 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी की कमजोर शुरुआत के बावजूद आईपीओ निवेशकों को 2.32 प्रतिशत का फायदा हो गया। सुग्स लॉयड का 85.66 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 अगस्त से 2 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 69.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.48 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 16.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 120 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 177.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 8.36 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 18.57 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 74.83 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

कॉनकॉर ने भावनगर बंदरगाह कंपनी के साथ करार कर बंदरगाह परिचालन क्षेत्र में रखा कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। कंटेनर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) गुजरात में विकसित किए जा रहे भावनगर बंदरगाह के कंटेनर टर्मिनल के परिचालन, प्रबंधन एवं विपणन का काम देखेगी जो उसके लिए बंदरगाह टर्मिनल के कामकाज को संभालने का एक नया अनुभव होगा।

रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण वाली लॉजिस्टिक्स कंपनी कॉनकॉर ने इसके लिए भावनगर पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा लि (बीपीआईपीएल) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस करार का स्वागत करते हुए इसे देश में लॉजिस्टिक्स (माल पहुंचाने की सुविधा) में सुधार की दिशा में एक और प्रगति बताया है। कॉनकॉर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय स्वरूप ने कहा है कि इस सहयोग से दोनों कंपनियों के ग्राहकों को बड़ा

फायदा होगा और यह लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में कॉनकॉर की अग्रणी स्थिति को और मजबूत करेगा। बीपीआईपीएल ने पिछले साल गुजरात सागर परिषद (जीएमबी) से इस बंदरगाह के विकास के लिए पिछले साल सितंबर में समझौता किया था। इसके तहत वह वहां अनुमानित 4500 करोड़ रुपये के निवेश से बंदरगाह सुविधाओं का निर्माण कर रही है। इसके लिए कंपनी को 235 हेक्टेयर जमीन 30 साल के पट्टे पर मिली है। यहां उसकी तीन बर्थ का एक कंटेनर टर्मिनल , दो बर्थ का एक बहु-उपयोगी टर्मिनल , एक रो-रो (रोल इन- रोल आउट) टर्मिनल तथा एक तरल चीजों के लिए टर्मिनल बनाने की योजना है।

कॉनकॉर ने बीपीआईपीएल के साथ इस बंदरगाह के कंटेनर टर्मिनल के परिचालन, प्रबंधन और विपणन के काम का अनुबंध किया है। यह रेल मंत्रालय की इस कंपनी के लिए लाजिस्टिक्स सेवा परिचालन के क्षेत्र में आगे की एक कड़ी के साथ महत्वपूर्ण जुड़ाव है।

इस करार से आने वाले समय में मध्य गुजरात और धोलेरा औद्योगिक इलाके की इकाइयों को बड़ी सुविधा होने का अनुमान है।

जीएसटी विभाग नए कर ढांचे के सुचारू क्रियान्वयन के लिए उद्योग से कर रहा समन्वय : सीबीआईसी प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग 22 सितंबर से लागू होने वाले नए कर ढांचे को सुचारू ढंग से लागू करने के लिए उद्योग जगत के साथ मिलकर सॉफ्टवेयर उन्नत बनाने पर काम कर रहा है। सीबीआईसी प्रमुख ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, जीएसटी विभाग संशोधित कर ढांचे को सुचारू और बिना किसी रुकावट के लागू करने के लिए सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करने हेतु उद्योग जगत के साथ समन्वय कर रहा है। अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि 22 सितंबर से लागू होने वाली नई दरें और कर गणना प्रणाली बिना किसी व्यवधान के लागू हो जाएंगी। संजय कुमार अग्रवाल ने कहा, शुरुआती महीनों में जीएसटी राजस्व संग्रह में कुछ गिरावट की उम्मीद है, क्योंकि करों का भुगतान संचित आईटीसी के माध्यम से किया जाता है, लेकिन त्योहारी मांग से बिक्री में तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योगों को उन वस्तुओं पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) जमा होने को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, जिनपर कर की दरों में कटौती की गई है। वे इस संचित आईटीसी का इस्तेमाल कर के भुगतान में कर सकेंगे। अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि 22 सितंबर से लागू होने वाली नई दरें और कर गणना प्रणाली बिना किसी व्यवधान के लागू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि व्यवसायों और उद्योग जगत के लोगों के पास अपने बैक-एंड सिस्टम में आवश्यक समायोजन करने के लिए दो हफ्ते का समय है। सीबीआईसी प्रमुख ने तैयारियों को लेकर चिंताओं का समाधान करते हुए कहा कि कर विभाग ने पहले ही व्यवसायों और सॉफ्टवेयर प्रदाताओं के साथ समन्वय शुरू कर दिया है।

स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अबरिल पेपर टेक ने किया निराश, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। पेपर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी अबरिल पेपर टेक लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 61 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 48.80 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर गिरकर 46.37 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इसके कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली करके लोअर सर्किट ब्रेक करके इसे 51.24 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंचा दिया। हालांकि कंपनी के शेयर इस स्तर पर भी टिक नहीं सके। इस स्तर पर एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण शेयर ने अपर सर्किट भी ब्रेक कर दिया। सुबह 11:30 बजे तक कारोबार होने के बाद अबरिल पेपर टेक लिमिटेड के शेयर 50.50 रुपये के स्तर पर

कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 17.21 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। अबरिल पेपर टेक लिमिटेड का 13.42 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 अगस्त से 2 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 11.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.51 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 16.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 51.61 प्रतिशत उछल कर 93 लाख रुपये से 1.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का कुल राजस्व 25.13 करोड़ रुपये से 142.38 प्रतिशत उछल कर 60.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में स्नेहा ऑर्गेनिक्स की फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सॉल्वेंट रिकवर करने का काम करने वाली कंपनी स्नेहा ऑर्गेनिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 122 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 122 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर टूट कर 115.90 रुपये लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। स्नेहा ऑर्गेनिक्स का 32.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 अगस्त से 2 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 27.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 42.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 16.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 37.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 26.79 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.25 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.66 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 7.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 13 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 26.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मदर डेयरी जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी:एमडी

नई दिल्ली। डेयरी उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के फैसले का मदर डेयरी ने स्वागत किया है।प्रबंध निदेशक (एमडी) मनीष बंदलिश ने कहा कि विभिन्न उत्पादों पर जीएसटी की दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जायेगा। जीएसटी परिषद के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमडी मनीष बंदलिश ने कहा कि हम पनीर, चीज, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय पदार्थ और आइसक्रीम सहित डेयरी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी की दरों को कम करने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना करते हैं।उन्होंने आश्वासन दिया कि मदर डेयरी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस सुधार के लाभ उपभोक्ताओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। मदर डेयरी के एमडी ने कहा कि इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों की सामर्थ्य और उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मनीष बंदलिश ने कहा कि यह पैकेज्ड श्रेणियों के लिए विशेष रूप से एक बड़ा बढ़ावा है, जो भारतीय घरों में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं और आगे चलकर इनकी मांग में और तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब कम करने से पैकेज्ड, मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। इससे सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं की पसंद बढ़ेगी और ज्यादा परिवारों को बेहतर मूल्य पर पौष्टिक डेयरी उत्पादों का आनंद लेने में मदद मिलेगी।

देश में सड़क दुर्घटनाओं से जीडीपी में 3 फीसदी का नुकसानः नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क सुरक्षा को देश की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि देश में हर साल औसतन 4.80 से 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें लगभग 1.80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इन दुर्घटनाओं से जीडीपी को 3 फीसदी का नुकसान होता है, जो किसी बीमारी या युद्ध से भी अधिक है। गडकरी ने फिक्की के 7वें रोड सेफ्टी अवॉर्ड्स एंड सिम्पोजियम 2025- 'विजन जीरोः लाइफ फर्स्ट, ऑलवेज' कार्यक्रम में कहा कि सालाना होने वालाी सभी दुर्घटनाओं में 66.4 फीसदी मौतें 18 से 45 साल के युवाओं की होती हैं, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 18 साल से कम उम्र के 10 हजार बच्चों की सालाना मौत होती है, जो चिंता का विषय है। हेलमेट न पहनने से करीब 30,000 और सीट बेल्ट न लगाने से 16,000 मौतें सालाना होती हैं। इन आंकड़ों को कम करने के लिए सरकार ने नई बाइक खरीदने वालों को दो हेलमेट देने की अनिवार्यता लागू की है। साथ ही, जागरूकता फैलाने के लिए अमिताभ बच्चन के साथ सालाना कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शंकर महादेवन का एक गीत 22 भाषाओं में अनुवादित कर स्कूली बच्चों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल अभियान भी शुरू किया गया है। उन्होंने वाहन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इस बदलाव से परफेक्शन आया है, जिससे वाहन दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद है। ट्रक ड्राइवरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जो 16-18 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, उनके केबिन में एसी अनिवार्य किया गया है। गर्मी और थकान से होने वाली अस्वस्थता को कम करने के लिए फटीग और स्लीप डिटेक्शन सिस्टम पर भी काम चल रहा है। उन्होंने बसों की सुरक्षा को लेकर कहा कि पहले बस बॉडी कोड में खामियां थीं, जिसे सुधारने में समय लगा। अब विश्वस्तरीय बस बॉडी कोड को अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। नेशनल हाई-वे पर हर दुर्घटना के कारणों का विश्लेषण कर सुधार की कोशिश की जा रही है। दुर्घटना पीड़ितों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए 25 हजार रुपये का इनाम और हर दुर्घटना में न्यूनतम 1.5 लाख रुपये या 7 दिन का अस्पताल खर्च बीमा में शामिल करने का फैसला लिया गया है। गडकरी ने कहा कि सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं क्रमशः उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में होती हैं। हमने सभी सुधार किए, लेकिन जो मानव व्यवहार था उसे बदलने में हम कामयाब ही नहीं हुए हैं। सालाना 30 हजार एक्सीडेंट सिर्फ इसलिए हुए कि इन एक्सीडेंट में शामिल लोगों के पास ड्राइविंग लाइसेंस ही नहीं था। महाराष्ट्र में पहले की अपनी एक सड़क दुर्घटना को याद करते हुए गडकरी ने कहा कि उनके दुर्घटना की जब जांच हुई तो पता चला कि उनके ड्राइवर को मोतियाबिंद था, जिसका पता दुर्घटना के बाद चला। इसके बाद जब वे परिवहन मंत्री बने तो ड्राइवरों की देशव्यापी जांच में पता चला कि देश के 40 फीसदी ड्राइवरों में मोतियाबिंद है, जिसमें एक मुख्यमंत्री का ड्राइवर दोनों आंखों से अंधा और एक केंद्रीय मंत्री का ड्राइवर एक आंख से अंधा था। इस समस्या से निपटने के लिए ड्राइवरों की आंखों की जांच को प्राथमिकता दी जा रही है। ड्राइवर प्रशिक्षण पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा कि देश में 111 ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर मंजूर किए गए हैं, जिनमें से 35 शुरू हो चुके हैं।

गुड न्यूज देने के बाद

परिणीति चोपड़ा

का पहला पोस्टः तस्वीरों में साफ झलकी मां बनने की खुशी, बताया प्रेग्नेंसी में कैसा है रुटीन?

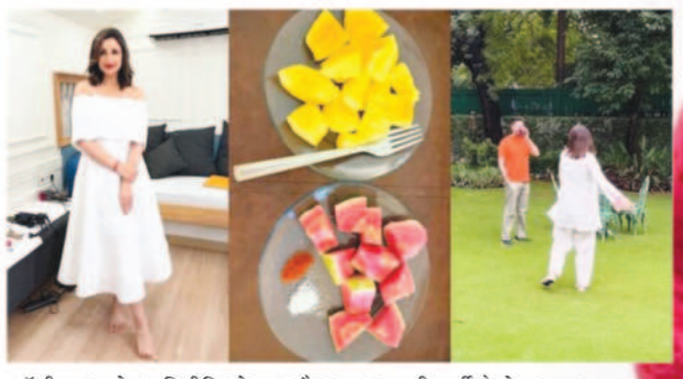

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के घर जल्द ही एक नई खुशी दस्तक देने वाली है। एक्ट्रेस जल्द ही अपने पति संग पहले बच्चे का स्वागत करेंगी। इस बात की खुशखबरी कपल ने कुछ दिनों पहले बड़े ही अनोखे अंदाज में दी थी। वहीं, अब हाल ही में मॉम-टू-बी एक्ट्रेस ने अपने नए पोस्ट में अपना डाइट प्लान और रुटीन शेयर किया है। साथ ही प्रेग्नेंसी ग्लो की झलक भी दिखाई है।

प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद परिणीति की पहली झलक

गुड न्यूज देने के बाद परिणीति चोपड़ा की यह पहली पोस्ट है, जिसमें वह व्हाइट कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत और कूल लग रही हैं। तस्वीर में परिणीति नंगे पांव एक कमरे में खड़ी होकर पोज़ कर रही हैं, और उनके चेहरे की चमक साफ बता रही है कि वो इस नए अध्याय को लेकर कितनी उत्साहित हैं।

बारिश, चाय और साथ - कपल मोमेंट्स

परिणीति ने पति राघव चड्ढा के साथ भी एक और फोटो शेयर की, जिसमें दोनों बारिश में चाय का मज़ा लेते हुए बगीचे में टहलते नजर आते हैं। तस्वीर में परिणीति बिल्कुल मस्ती के मूड में हैं और उनकी ये सादगी फैंस का दिल जीत रही है।

इन पर्सनल मोमेंट्स के बीच परिणीति ने अपने खाने के शौक को भी फैंस के साथ शेयर किया। एक तस्वीर में उन्होंने आम और अमरूद को लेकर मज़ेदार बात लिखी

मैं कभी तय नहीं कर पाती कि मुझे आम ज्यादा पसंद हैं या अमरूद!

गेम डे और वड़ा पाव का कॉम्बो

एक और पोस्ट में परिणीति ने अपने गेम डे की झलक भी शेयर की। इस तस्वीर में टेबल पर गेम्स के टाइटल्स सजे हुए हैं, और साथ ही टीन प्लेट में घर का बना वड़ा पाव रखा है, जिसके साथ हरी मिर्च भी दिख रही है। परिणीति ने बताया कि गेम खेलते हुए उन्होंने घर के बने खाने का खूब आनंद लिया।

इसके अलावा परिणीति ने और भी कई झलकियां शेयर कीं। साथ ही कैप्शन में उनके मतलब भी समझाए। फैंस मॉम-टू-बी की इस पोस्ट को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

ये है चीन में रिलीज होने वाली पहली इंडियन फिल्म, बिके थे 50 लाख टिकट

हिंदी सिनेमा ने 100 साल से भी ज्यादा का समय पूरा कर लिया है. साल 1913 में पहली हिंदी फिल्म बनी थी और तब से लेकर अब तक हिंदी फिल्में देश-दुनिया के दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं. विदेशों में भी भारतीय और हिंदी फिल्मों को काफी पसंद किया जाता है. वहीं हमारे पड़ोसी देश चीन में भी भारतीय सिनेमा को पसंद करने वाले फैंस बड़ी तादाद में हैं और आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि चीन में रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म कौन सी है ?चीन में भारतीय सिनेमा को शुरू करने का क्रेडिट 'शोमैन' राज कपूर को जाता है. इस काम में उनका साथ दिवंगत अभिनेत्री नरगिस और राज कपूर के पिता पृथ्वीराज कपूर ने दिया था. चीन में पहली ही इंडियन फिल्म ने इतिहास रचा था और 40 लाख टिकट इस पिक्चर के बेचे गए थे.

ये है चीन में रिलीज होने वाली पहली इंडियन फिल्म

साल 1951 में आई राज कपूर और नरगिस की फिल्म 'आवारा' चीन में रिलीज होने वाली न सिर्फ पहली बॉलीवुड बल्कि पहली भारतीय फिल्म भी है. भारत में रिलीज होने के चार साल बाद साल 1955 में इसे चीन में रिलीज किया गया था. फिल्म में नरगिस और राज कपूर के अलावा पृथ्वीराज कपूर, लीला मिश्रा, के. एन. सिंह जैसे कलाकारों ने भी काम किया था. राज कपूर ने इसमें लीड रोल निभाने के अलावा इसका डायरेक्शन भी किया था.

40 लाख टिकट बिके थे

चीन में आवारा को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था. 70 साल पहले चीन में रिलीज हुई आवारा के तब 40 लाख टिकट बिके थे. फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था तो इसे चीन में तीन साल बाद यानी साल 1958 फिर से रिलीज किया गया था. इस बार इसके 10 लाख टिकट बेचे गए थे. यानी चीन में फिल्म के टोटल 50 लाख टिकट बिके थे. फिल्म ने कुल 30 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. जिसमें से चीन में हुई कमाई 7.2 करोड़ रुपये थी.

'दंगल' ने चीन से कमाए थे 1400 करोड़

भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'दंगल' (2016) की आधी से ज्यादा कमाई चीन से हुई थी. आमिर खान की इस पिक्चर ने दुनियाभर में 2070 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. जिसमें से चीन की कमाई 1400 करोड़ थी. वहीं भारत में इसने सिर्फ 538 करोड़ रुपये ही कमाए थे.

3 करोड़ भी नहीं कमा पाई थी सलमान खान की ये फिल्म, बॉक्स ऑफिस पर गिरी औंधे मुंह

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने करियर में कई ऐसी फिल्में भी दे चुके हैं जो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई थीं. सलमान की हिट फिल्मों के साथ ही उनकी फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट भी काफी लंबी है. आज हम आपको अभिनेता की जिस फ्लॉप फिल्म के बारे में बता रहे हैं वो 19 साल पहले रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ शिल्पा शेट्टी ने लीड रोल प्ले किया था. हालांकि सलमान के साथ ही शिल्पा का जादू भी बॉक्स ऑफिस पर फीका पड़ गया था.

सलमान खान और शिल्पा शेट्टी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में दी हैं. वहीं उनके खाते में कई फ्लॉप फिल्में भी दर्ज हैं. दोनों स्टार्स ने स्क्रीन भी शेयर की है. हालांकि तब दोनों फैंस का दिल जीतने में नाकाम रहे थे. उनकी फिल्म बजट का आधा भी नहीं कमा पाई थी.

2006 में आई थी फिल्म

यहां सलमान और शिल्पा की जिस फिल्म की बात हो रही है उसका नाम है 'शादी करके फंस गया यार'. ये पिक्चर अगस्त 2006 में रिलीज हुई थी. फिल्म में मोहनीश बहल, शक्ति कपूर, आसिफ शेख, रीमा लागू, सुप्रिया कार्णिक, कनिका और नीना कुलकर्णी जैसे कलाकारों ने भी काम किया था.

आधा बजट भी नहीं निकाल पाई फिल्म

शादी करके फंस गया यार एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी. इसका डायरेक्शन के. एस. अधियमन ने किया था. बता दें कि मेकर्स ने इस फिल्म को 11 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था. लेकिन, पिक्चर भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी. भारत में इसने सिर्फ 2 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. जबकि दुनियाभर में फिल्म की कमाई सिर्फ 5 करोड़ रुपये हुई थी जो बजट का आधा भी नहीं है.

सलमान खान का वर्कफ्रंट

शिल्पा शेट्टी इन दिनों फिल्मी दुनिया में एक्टिव नहीं हैं. वहीं सलमान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता को पिछली बार फिल्म 'सिकंदर' में देखा गया था. हालांकि ये पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाई. इसके बाद सलमान अब फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान में दिखाई देंगे. उन्होंने इस पिक्चर की शूटिंग हाल ही में शुरू की है, जिसमें अभिनेता आर्मी ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे.

बजट भी नहीं वसूल पाई थी अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी की ये फिल्म

कटरीना

का जादू भी पड़ा फीका

अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की जोड़ी को बड़े पर्दे पर काफी पसंद किया जाता है. दोनों स्टार्स ने साथ में आधा दर्जन से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है. उनकी फिल्मों को दर्शकों का काफी प्यार मिला था. हालांकि अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की एक फिल्म ऐसी भी रही है जो अपना बजट तक नहीं निकाल पाई थी. बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बहुत बुरा हुआ था. इसे फ्लॉप होने से सुनील शेट्टी जैसे अभिनेता भी नहीं बचा पाए थे.अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की जोड़ी 'सूर्यवंशी', 'वेलकम', 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग' और 'हमको दीवाना कर गए' जैसी सफल फिल्में दे चुकी है. वहीं उनकी फिल्म 'दे दना दन' बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी. आइए जानते हैं कि 16 साल पुरानी इस पिक्चर का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल हुआ था ?

2009 में आई थी 'दे दना दन'

फिल्म दे दना दन 16 साल पहले 27 नवंबर 2009 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. अक्षय ने ने नितिन, सुनील ने राम मिश्रा और कटरीना ने अंजली कक्कड़ नाम का किरदार निभाया था. तीनों के अलावा फिल्म में परेश रावल, जॉनी लीवर, समीरा रेड्डी, नेहा धूपिया, अर्चना पूरन सिंह और राजपाल यादव जैसे कलाकारों ने भी काम किया था.

बजट नहीं निकाल पाई थी फिल्म

अक्षय, कटरीना और सुनील की ये एक एक्शन कॉमेडी फिल्म थी, लेकिन ये दर्शकों का दिल जीतने में नाकाम रही. इसका डायरेक्शन मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन ने किया था. फिल्म को मेकर्स ने 60 करोड़ रुपये के अच्छे खासे बजट में बनाया था. वहीं पिक्चर भारत में 50 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई थी. भारत में इसका कलेक्शन सिर्फ 48 करोड़ रुपये ही हो पाया था और पिक्चर सुपर फ्लॉप साबित हुई थी.

अक्षय कुमार का वर्कफ्रंट

अक्षय कुमार एक के बाद एक फिल्में कर रहे हैं. इस साल अब तक उनकी तीन फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. वहीं अब वो अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला के साथ फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आने वाले हैं. ये फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होगी.

ईद मिलादुन्नबी पर काशी में शानो शौकत से निकला जुलूस ए मोहम्मदी, पुलिस चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रही

मजहबी इस्लामिक ध्वज के साथ तिरंगा भी लहराया,हुजूर की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा की गूंज

वाराणसी। पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद (स.) की पैदाइश (ईद मिलादुन्नबी) का जश्न शुक्रवार को काशीपुराधिपति की नगरी में पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। जोश और खुशी के माहौल में शहर में जगह-जगह से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे शानो–शौकत के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाली गई। लोगों ने पैगंबर मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। जुलूस में शामिल बच्चों और युवाओं के साथ बुर्जुग भी लकदक कुर्ता पायजामा पहने, सिर पर रंग बिरंगा साफा बांधे इस्लामिक झंडे के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराते हुए चलते दिखे। जुलूस में हुजूर की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा की गूंज के बीच नबी की शान में नातिया कलाम भी युवा और उलेमा पूरे राह पढ़ते रहे। फज्र की नमाज के बाद उठे जुलूस में बच्चे, युवा और बुर्जुग वाहन पर

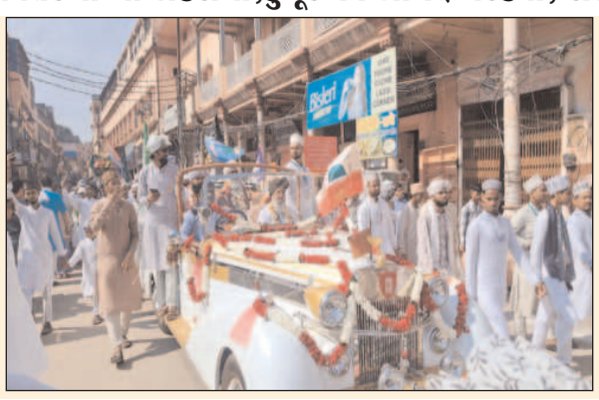

सवार होकर या पैदल ही शामिल हुए। मरकजी दावते इस्लामी जुलूसे मुहम्मदी कमेटी एवं मुफ्ती बोर्ड के सदर की निगरानी में मुख्य जुलूस रेवड़ी तालाब के अजगरी मैदान से उठा। इसमें शिवाला, बजरडीहा, ककरमत्ता, मदनपुरा इलाके के जुलूस भी शामिल हो गए। सभी जुलूस रेवड़ी तालाब के अजगरी मैदान से भेलूपुर, गौरीगंज, रवींद्रपुरी, शिवाला, सोनारपुरा, मदनपुरा, गोदौलिया, चौक, मैदागिन, कबीरचौरा, पियरी होते हुए बेनियाबाग मैदान पहुंचे। रास्तों में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के कार्यकताओं ने जुलूस में शामिल लोगों को शरबत और पानी पिलाया। उधर, शक्करतालाब, जलालीपुरा, गोलगड्डा, पीलीकोठी, अर्दलीबाजार, हुकुलगंज आदि इलाकों से निकले जुलूस भी बेनिया मैदान पहुंचे थे। बेनियाबाग मैदान में उलेमा ने नबी की पैदाइश पर रोशनी डाली। शायरों ने कलाम पेश किया।

मिलादुन्नबी: झांकी के अलावा अन्य वाहन के शामिल होने पर होगी कार्रवाई : एसपी सिटी

मुरादाबाद। ईद मिलादुन्नबी 12 (बारावफात) के अवसर पर शुक्रवार को निकलने वाले जुलूस को लेकर पुलिस अधीक्षक नगर रणविजय सिंह ने बताया कि मुरादाबाद महानगर को 6 जोन और 15 सेक्टरों में बांटा गया है। इसके साथ ही 18 बैरियर पॉइंट बनाए गए हैं। सभी सर्किलों के क्षेत्राधिकारी, 20 इंस्पेक्टर, 300 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 100 महिला कांस्टेबल के अलावा अंडर ट्रेनिंग उपनिरीक्षक, पीएसी की भी ड्यूटी लगाई गई है। एसपी सिटी ने कहा कि जुलूस में झांकी के अलावा कोई अन्य वाहन शामिल होता है तो उसका चालान काटा जाएगा साथ ही उसके विरुद्ध एमवी एक्ट में कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि आज ईद मिलादुन्नबी को लेकर पूर्व में अमन कमेटी और शांति समिति की बैठकर संपन्न कर ली गई थी। जिसमें जूलुस व त्यौहार को लेकर शासन की ओर से जारी गाइडलाइन से सभी को अवगत करा दिया गया था। इसके साथ ही साउंड सिस्टम की आवाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी आदेश का भी पालन करने की सभी से अपील की गई थी। ईद मिलादुन्नबी के निकलने वाले परंपरागत जुलूस अपने निर्धारित मार्ग से ही निकलेंगे। जुलूस में सिर्फ झांकियां वाले वाहन ही शामिल होंगे, जिन्हें परमीशन है। इस दौरान चौपहिया वाहनों पर लोग लोहे का तख्त डालकर अपने साथ बच्चों को बिठाकर दिनभर शहरभर में घूमते हैं। फिर जुलूस वाले मार्ग पर बेवजह घूमकर दुश्वारियां फैलाते हैं। इन वाहनों की लिस्टिंग की जाएगी व ऐसे वाहनों के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए उनका चालान किया जाएगा। एमबी एक्ट के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और सभी चलानों को आरटीओ कार्यालय भेज कर उस पर जुमार्ना लगाया जाएगा।

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2025 का आयोजन 6 और 7 सितंबर को

जौनपुर। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2025 का आयोजन 6 और 7 सितंबर को किया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. दिनेशचंद्र ने गुरुवार रात कलेक्ट्रेट सभागार में इस संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया। परीक्षा में कुल 63,072 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक चलेगी। जिले में कुल 35 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट और एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी ने स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए हैं कि वे आयोग की निर्देश पुस्तिका का पालन करें। उन्हें पूरी परीक्षा अवधि में केंद्र पर उपस्थित रहना होगा। केंद्र व्यवस्थापक और कार्यदायी संस्थाओं से समन्वय बनाकर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से कराना सुनिश्चित करें। किसी भी अभ्यर्थी द्वारा अनुचित साधनों का प्रयोग पाए जाने पर सेक्टर मजिस्ट्रेट को तुरंत जिला प्रशासन और आयोग के कंट्रोल रूम को सूचित करना होगा।

वाराणसी में अस्सी साल की रिवायत निभाते हुए निकला मदहे सहाबा का जुलूस

वाराणसी। वाराणसी में बेनियाबाग क्षेत्र से मरकजी यौमुन्नबी कमेटी ने 80 सालों की अपनी रवायत को निभाते हुए मदहे सहाबा का जुलूस निकाला। जुलूस में 50 अंजुमनों ने शिरकत की और जिसमें छह अंजुमनों को बेहतरीन नात पढ़ने के लिए सम्मानित किया गया। बेनिया बाग से शुरू हुआ जुलूस हड़हा सराय, नया चौक, दालमंडी, नई सड़क से होते हुए बिस्मिल्लाह खां के आवास के निकट पहुंच कर समाप्त हुआ। वाराणसी शहर में रेवड़ी तालाब, नदेसर, बड़ी बाजार सहित अन्य स्थानों पर भी मदहे सहाबा का जुलूस निकला। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और अंजुमनों ने शिरकत की। शहर में मस्जिदों और उसके आसपास सुंदर विद्युत की सजावट की गई थी।

तीसरी बार बढ़ा यमुना का जलस्तर, गोहानी कलां का रपटा पुल बंद

औरैया। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और हथिनी कुंड व गोकुल बैराज से छोड़े गए पानी के चलते यमुना नदी का जलस्तर तीसरी बार बढ़ गया है। इससे जिले के गोहानी कलां गांव का रपटा पुल जलमग्न हो गया और मुख्य मार्ग बंद हो गया। परिणामस्वरूप ग्रामीणों का संपर्क तहसील मुख्यालय से टूट गया है। मुख्य सड़क पर पानी भरने से बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का बाजार आना-जाना और बीमारों को अस्पताल ले जाना बेहद मुश्किल हो गया है। यमुना का पानी खेतों तक पहुँचने से फसलें भी बर्बाद हो रही हैं। स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। प्रभावित गांवों में नाव की व्यवस्था की गई है और राहत चौकियों के साथ-साथ बाढ़ पीड़ितों को जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने संभावित बीमारियों को देखते हुए दवाओं का वितरण शुरू कर दिया है। अजीतमल उपजिलाधिकारी निखिल राजपूत ने कहा कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और फिलहाल घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

दीवार फांदकर घर में घुसा पड़ोसी, महिला से की अश्लीलता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में दीवार फांदकर घर में घुसे पड़ोसी युवक ने घर में सो रही महिला के साथ अश्लीलता कर दी। महिला के शोर मचाने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देता हुआ भाग निकला। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू की है। जनपद के खरेला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि दो सितंबर की रात्रि उसके पति खेत की रखवाली करने गए थे और वह घर में अकेले सो रही थी। तभी पड़ोसी अशोक रात में करीब 12 बजे मौका पाकर घर की दीवार फांदकर अंदर घुस गया। और आरोपित ने उसकी चादर खींच ली और अश्लील हरकतें करने लगा।

श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में लाठी चार्ज मामले में निलंबित हुए दरोगा सिपाही

बाराबंकी। श्रीरामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय (एसआरएमयू) के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज की घटना के मामले में आईजी अयोध्या प्रवीण कुमार ने गुरुवार को अपनी अंतरिम जांच रिपोर्ट डीजीपी राजीव कृष्ण को सौंप दी है। जांच में गदिया पुलिस चौकी के प्रभारी गर्जेंद्र सिंह, सिपाही पवन यादव, विनोद यादव और सौरभ सिंह को दोषी पाया गया है। इसके बाद पुलिस अधीक्षक (एसपी) अर्पित विजयवर्गीय ने आरोपित सबइंस्पेक्टर गर्जेंद्र सिंह, सिपाही पवन यादव, विनोद यादव और सौरभ सिंह को निलंबित कर दिया है। इससे पहले इस मामले में सीओ सिटी हर्षित चौहान, इंस्पेक्टर आरके राना, चौकी प्रभारी व सिपाही विनोद यादव को हटाया जा चुका था।

हत्या के दोषी जीजा साले को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद। न्यायालय ने गुरुवार को युवक की हत्या के दोषी जीजा साले को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। थाना शिकोहाबाद के लभउआ निवासी अजय कुमार का ओमवीर पुत्र रनवीर निवासी नलकूप कालोनी ओम नगर ने अपने साले अमर चंद उर्फ सिंटू पुत्र दीनदयाल निवासी बलरई इटावा के साथ मिलकर मुद्रा लोन कराया था। लोन का कुछ रुपया बकाया रह गया था।

सहायक शिक्षक को गोली मारकर लूटपाट करने वाले दो लोग गिरफ्तार

जौनपुर। लाइन बाजार थाना अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा कंधरपुर के प्रधानाध्यापक से लूट करने वाले दो अभियुक्तगण को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया है।इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहन तथा लूट के माल की बिक्री के हिस्से से मिले 21,500 रुपये बरामद किया है। 1 सितंबर को कंधरपुर में सुबह 06.00 बजे सन्तोष कुमार यादव पुत्र श्री बांकेलाल यादव ग्राम-कन्धरपुर. पो0 मुरादगंज गांव में मॉर्निंग वॉक पर टहल रहे थे कि उसी दौरान पीछे से दो लोग पल्सर बाइक से आये और गाड़ी खड़ी करके पिस्टल सटा कर चैन छीनने लगे उनके द्वारा विरोध करने पर पिस्टल से गोली मार दिये जो सन्तोष कुमार यादव के बाये पैर कि जाँघ मे लगी, तत्पश्चात गले से दो चैन छीन कर पिस्टल लहराते हुए भाग गये थे। जिसके सम्बंध में पीड़ित द्वारा थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। गुरुवार को क्षेत्र में अपराधियों की गिरफ्तारी के दौरान कंधरपुर लूट कारित करने वाले अभियुक्तगण आकाश यादव व रिषभ यादव को राममनोहर लोहिया स्कूल कलीचाबाद के पास से गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कायार्वाही की जा रही है। अभियुक्त आकाश यादव द्वारा पूछताछ में बताया गया कि घटना में प्रयुक्त बाइक उसकी है। वह लोग रैकी करवाकर सिकड़ी (चैन) पहनने वाले लोगो को चिन्हित करते है, इसके बाद ये लोग सुबह के समय में छिनैती करते है जो लोग अपना चैन आसानी से दे देते है उन्हे छोड़ देते है और जो विरोध करते है उन्हे गोली भी मारते है। अभियुक्तों द्वारा कुछ दिन पहले प्रतापगढ एवं इलाहाबाद में भी सुबह के समय छिनैती की घटना कारित की गई थी। अभियुक्तों द्वारा पढ़ने वाले लडको को पहले खिला पिला कर पैसे का प्रलोभन दिया जाता है। एवं गाड़ी में बैठा कर घुमाते है, जिससे अधिक से अधिक लडके ग्रुप में शामिल हो जाते है। कन्धरपुर वाली घटना में ग्रुप के सदस्य रैकी किये थे। आकाश यादव अपनी मोटर साइकिल दिया था। मोटर साइकिल पल्सर से अन्य सदस्य द्वारा दिनांक 01 सितंबर को गोली मार घटना कारित की गई थी। अभियुक्त रिषभ यादव द्वारा पूछने पर बताया कि जो मेरे पास से पैसा बरामद हुआ है, वह 01 सितंबर को कन्धरपुर में हुई गोली मार कर लूट की घटना में हिस्से का था। हम भी इसी ग्रुप में रहते है। वह योजना बनाने में था। मुझे घटना की जानकारी थी जो भी लूट पाट की घटना होती है लूट का पैसा सभी सदस्यो में ग्रुप चलाने के लिये बटता था।

संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में मिला अधेड़ का शव

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में शुक्रवार की सुबह मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र अंतर्गत संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की लाश मिली है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच और आवश्यक कार्यवाही में कर रही है। मुसाफिरखाना थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह ने बताया कि जमवारी गांव निवासी कुंवर बहादुर सिंह (50) की लाश आज सुबह धान के खेत में मिला है। परिजनों का कहना है कि मृतक कुंवर बहादुर गुरुवार से गायब थे, जिसकी सूचना थाने में दी गई थी। कल से पुलिस उनको ढूंढ रही थी लेकिन कोई जानकारी नहीं लगी थी। सुबह उनका शव एक खेत में देखी गई। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। साक्ष्य संकलन के लिए गौरीगंज से फॉरेंसिक टीम बुलाई गई। परिजनों का कहना है कि अज्ञात लोगों ने पेट्रोल डालकर उनकी हत्या की है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जल्दी ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे स्टेशन के समीप मिला शव

अमेठी। अमेठी जिले के रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रामगंज रेलवे स्टेशन के पास राहगीरों ने झाड़ियों मैं पड़ी लाश को देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश की कराई पहचान। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए जांच में जुटी हुई है। शुक्रवार की सुबह प्राप्त सूचना के अनुसार रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रामगंज रेलवे स्टेशन के समीप सड़क के किनारे झाड़ियों में राहगीरों ने एक अधेड़ की लाश को देखा। लाश को देखते हुए इलाके में हड़कंप मच गया। वही लाश के पास ही अधेड़ की साइकिल भी पड़ी हुई थी। राहगीरों एवं स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश की पहचान कराई। लाश की पहचान रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पवारिया मजरे अग्रेसर निवासी राम बहाल (45) पुत्र रामसुख के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। रामगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि सड़क के किनारे मिली लाश की पहचान हो चुकी है। तत्काल फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य का संकलन किया गया है। घटनास्थल पर पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज मिश्र ने भी पहुंचकर मौका मुआयना किया है। लाश का पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

कृषकों को ऑनलाइन आवेदन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए

कानपुर। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली फसलों की प्रजातियों का नाम चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के नाम पर रखा जाए, जिससे इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर तक हो सके। तोरिया मिनीकिट वितरण का लक्ष्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, इसलिए कृषकों को ऑनलाइन आवेदन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। एक से 25 सितम्बर तक राई एवं सरसों के मिनीकिट की बुकिंग ऑनलाइन की जा रही है, जिसके आधार पर चयन ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली से होगा। यह बातें कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कही।

इन्दौर की तर्ज पर निगम के छह वार्ड बनेंगे आदर्श माडल वार्ड

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर को स्वच्छ और नगरीय सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर निगम ने पहल की है। इसके अंतर्गत नगर निगम ने शहर के 06 वार्डों को आदर्श (माडल) वार्ड के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। नगर निगम, वाराणसी ने प्रथम चरण में नरायनपुर, डिठोरी महाल, चेतगंज, काल भैरव, पियरी कला और पिशाचमोचन का चयन किया है। सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जीएसटी सुधारों से इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार को बड़ी राहत : मनीष सिकरी"

दिव्या दिल्ली की टीम जब जेल रोड स्थित Berco Electronics पहुंची तो वहाँ कारोबारी मनीष सिकरी से जीएसटी सुधारों पर विशेष चर्चा हुई। बातचीत में मनीष सिकरी ने बताया कि सरकार द्वारा हाल ही में किए गए जीएसटी सुधारों ने इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार को बड़ी राहत दी है।उन्होंने कहा कि पहले टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, डिशवॉशर और एसी जैसे आवश्यक घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर 28% जीएसटी लगाया जाता था।

यह कर दर ग्राहकों के लिए इन उत्पादों को महंगा बना रही थी और व्यापारियों के लिए बिक्री की गति को भी कम कर रही थी। लेकिन अब नई सुधारित व्यवस्था में इन सभी उत्पादों पर केवल 18% जीएसटी लगेगा।

इंद्रजीत सिंह ग्रोवर का बयान: जीएसटी सुधार से व्यापारियों को बड़ी राहत

दिव्य दिल्ली : जीएसटी सुधारों को लेकर उद्योग जगत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इसी कड़ी में इंद्रजीत सिंह ग्रोवर ने कहा कि ह्लसमय पर बदलाव के बिना हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। इस बदलाव की देश को लंबे समय से जरूरत थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे साकार कर दिखाया है।ह्लग्रोवर ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसा वादा किया था कि दिवाली पर देश को एक बड़ा तोहफा देंगे, उन्होंने अपना वादा पूरा किया है।

GST की नई दरों से किसे मिलेगा फायदा? बोले तरविंदर सिंह

दिव्य दिल्ली : देश में 2017 में लागू हुआ वस्तु एवं सेवा कर (GST) आठ साल बाद एक बड़े सुधार से गुजरा है। बुधवार को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया। अब पूरे सिस्टम में केवल दो ही टैक्स स्लैब रहेंगे झ 5% और 18%। सरकार का कहना है कि इस कदम से टैक्स प्रक्रिया आसान होगी और कारोबारियों पर जटिलता का बोझ कम होगा। इसी बदलाव को लेकर लोगों की राय जानने पहुँची दिव्या दिल्ली न्यूज की टीम। जनकपुरी स्थित Singh

Enterprises Pvt. Ltdके शोरूम वहां हमारी मुलाकात हुई कारोबारी तरविंदर सिंह से। उन्होंने जीएसटी में हुए इस बदलाव को लेकर अपनी राय रखी।तरविंदर सिंह ने बताया कि अब मोबाइल फोन पर 18% जीएसटी लगाया जाएगा। पहले यह दर 12% थी। इसका सीधा मतलब है कि मोबाइल फोन की कीमतें अब उपभोक्ताओं के लिए बढ़ जाएंगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा – मान लीजिए कि किसी मोबाइल की कीमत ?20,000 है। पहले 12% जीएसटी पर उपभोक्ता को ?2,400 टैक्स देना पड़ता था। लेकिन अब 18% जीएसटी पर वही टैक्स ?3,600 हो जाएगा।उनका कहना था कि सरकार ने टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैक्स घटाकर राहत दी है, लेकिन मोबाइल फोन पर दरें बढ़ाना आम उपभोक्ता के लिए बोझ साबित होगा।

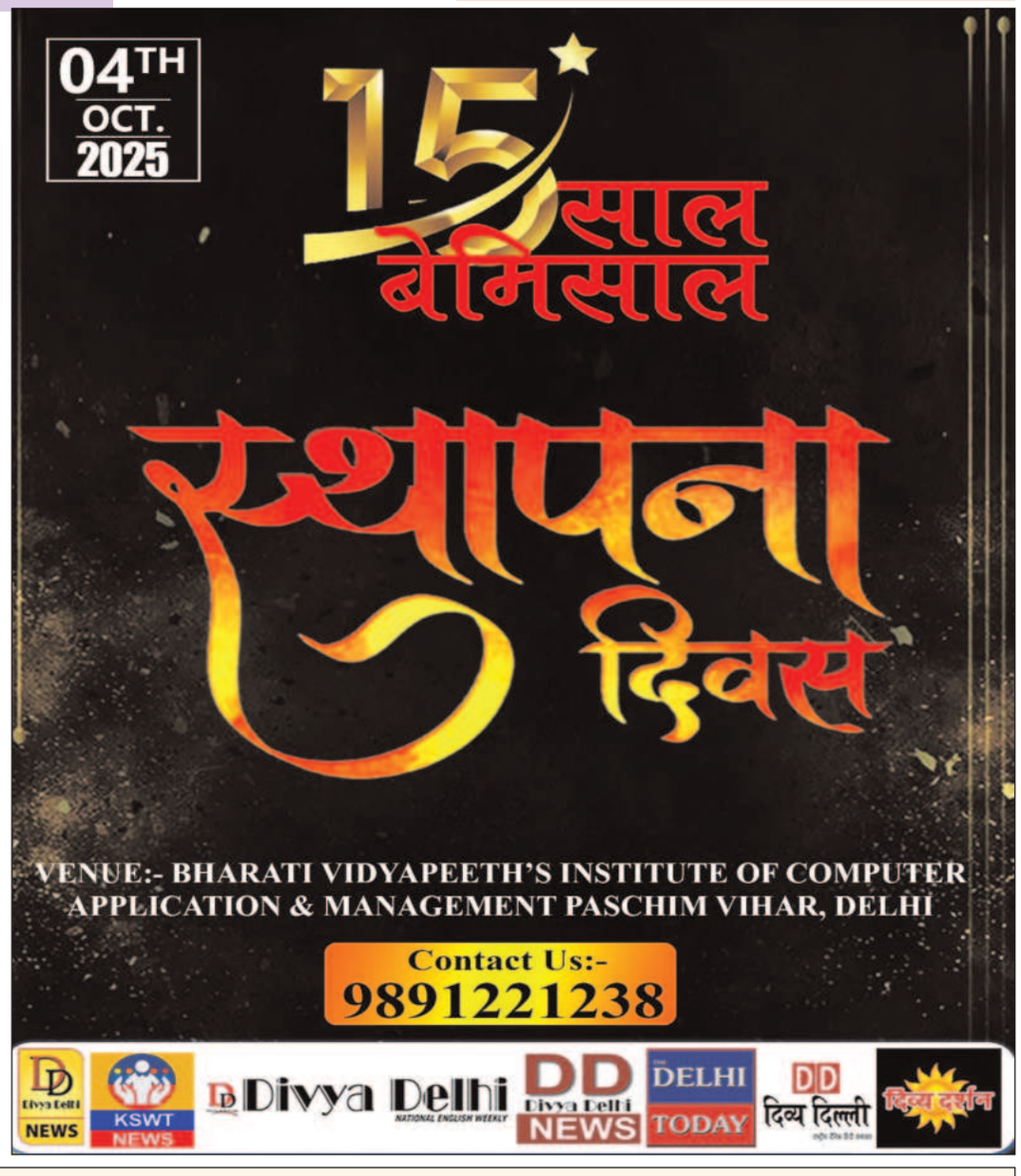

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321